राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 283 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,16 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

गगनयान मिशन में सहयोग के लिए भारत-फ्रांस ने समझौते पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली। भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' में सहयोग के लिए इसरो और फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी ने बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। फ्रांस के विदेश मंत्री ज़्याँ इव लि द्रीयाँ के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय के दौरे के दौरान की गई। इसरो ने फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी 'सेंटर नेशनल डी'इट्यूड्स स्पेतियल्स' (सीएनईएस) से गगनयान मिशन में मदद करने और इस कार्य में इसके एकल यूरोपीय सहयोगी के रूप में सेवा देने को कहा है। फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि समझौते के तहत सीएनईएस भारत के 'फ्लाइट फिजीशियन' और सीएपीसीओएम मिशन नियंत्रण टीमों को सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण एप्लीकेशंस के विकास के लिए फ्रांस में सीएडीएमओएस केंद्र में तथा अंतरिक्ष अभियानों के लिए सीएनईएस के ताउलेस अंतरिक्ष केंद्र में तथा जर्मनी के कोलोग्ने स्थित यूरोपीय अंतरिक्षयात्री केंद्र (ईएसी) में प्रशिक्षण देगा।

देश में 15 अप्रैल को लू की स्थिति नहीं : मौसम विभाग

नयी दिल्ली, (वेबवार्ता)। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज किये जाने के बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि बृहस्पतिवार को लू की स्थिति नहीं होगी। आईएमडी ने कहा कि गुजरात और हरियाणा के छिटपुट हिस्सों में 14 अप्रैल को लू की स्थिति दिखी थी। मौसम विभाग ने बताया, ''देश में 15 अप्रैल को लू की स्थिति नहीं रहेगी।'' विभाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम बंगाल में कुछ स्थानों समेत अन्य जगहों पर 40 डिग्री से अधिक तापमान दर्ज किया गया। आईएमडी ने कहा, ''पूर्वी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिम बंगाल और पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात में कुछ स्थानों तथा छत्तीसगढ़, विदर्भ, ओडिशा, झारखंड एवं मराठवाड़ा में छिटपुट जगहों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।'' देश में सबसे अधिक तापमान नौगांग में 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोरोना से बंगाल में कांग्रेस उम्मीदवार की मौत

कोलकाता। कोरोना का तांडव किसी को नहीं बक्श रहा है। मुर्शिदाबाद के कांग्रेस उम्मीदवार रिजाउल हक की कोरोना से गुरुवार सुबह एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। हक इस विधानसभा चुनाव में मुर्शिदाबाद जिले के समशेरगंज से चुनाव लड़ रहे थे, जहां 26 अप्रैल को सातवें चरण में चुनाव होना था। पार्टी सूत्रों ने कहा कि हक का कुछ दिन पहले कोरोना पॉजिटिव हुए थे और घर में क्वारंटीन थे, लेकिन हालत बिगड़ने के बाद उन्हें एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में कोलकाता में एक चिकित्सा सुविधा में शिफ्ट कर दिया गया था। उनके देहांत पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, उनकी मृत्यु पार्टी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने जीवन भर पार्टी में योगदान दिया और हमें पूरी उम्मीद थी कि वह समसेरगंज निर्वाचन क्षेत्र से जीतते। उनकी आत्मा को शांति मिले। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री तापस रॉय ने इस कोविड की दूसरी लहर के लिए भाजपा सरकार को दोषी ठहराया है।

पन्ना में आज रात 10 बजे से 22 अप्रैल तक कोरोना कर्फ्यू

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में कोरोना संक्रमण की गंभीर स्थिति को देखते हुए कलेक्टर संजय कुमार मिश्रा ने 15 अप्रैल की रात से 22 अप्रैल की सुबह तक कोरोना कर्फ्यू लागू करने के आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया है कि यह निर्णय प्रदेश शासन के खनिज मंत्री एवं पन्ना जिले के कोरोना प्रभारी बृजेंद्र प्रताप सिंह के साथ हुई बैठक में लिया गया है। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। कल यहाँ मिली जांच रिपोर्ट में 143 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं।

सरकार का टीका उत्सव फीका

देश में 4 दिन के कोरोना टीका उत्सव में वैक्सीनेशन बढ़ने की बजाय 12% घट गया

नई दिल्ली। देश में कोरोना वैक्सीन के संकट पर असमंजस बरकरार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 से 14 अप्रैल के बीच देशभर में कोरोना टीका उत्सव मनाने का ऐलान किया था। इसका खूब प्रचार-प्रसार भी किया गया। लेकिन covid19india.org के आंकड़े माने तो इस दौरान वैक्सीनेशन बढ़ने की बजाय 12% घट गया। हालांकि, केंद्र सरकार का दावा है कि इस बीच वैक्सीन की 1.28 करोड़ डोज दी गई है। देशभर में वैक्सीन की कमी को लेकर कई राज्य खुलकर बोल चुके हैं। राज्य सरकारों ने जब वैक्सीन की कमी के बारे में बोला तो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन खुद आंकड़े पेश करने उतर आए। दावा किया था कि पूरे देश में कहीं भी वैक्सीन की कमी नहीं है। तमाम कोशिशों के बावजूद वैक्सीनेशन में आई कमी ने सरकार के दावे की पोल खोल दी है। covid19india.org के मुताबिक, टीका उत्सव के दौरान यानी 11 से 14 अप्रैल के बीच देशभर में वैक्सीन की 99.64 लाख डोज लगाई गई। इसके पहले 7 से 10 अप्रैल के बीच 1.13 करोड़, 3 से 6 अप्रैल के बीच 1.10 करोड़ और 30 मार्च से 2 अप्रैल के बीच 99.99 लाख वैक्सीन की डोज लगाई गई थी। आंकड़ों से साफ है कि टीका उत्सव में वैक्सीनेशन काफी घट गया, जबकि इस उत्सव का मकसद ही टीकाकरण को बढ़ाना था। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दो अलग-अलग आंकड़े हैं।

स्वास्थ्य मंत्री का दावा- कहीं पर भी वैक्सीन की कमी नहीं

वैक्सीनेशन घटने के बीच हर्षवर्धन ने बुधवार को कहा कि देश में टीकों की कोई कमी नहीं है। भारत सरकार हर राज्य को टीके देती है। यह राज्यों का काम है कि वे टीकाकरण केंद्रों पर समय से इसकी आपूर्ति करें।

टीका उत्सव के दौरान कोरोना से बचाव के लिए 1.28 करोड़ डोज दी गई

देश में कोरोना को हराने के लिए मनाए गए टीका उत्सव के दौरान आयोजित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत टीके के कुल 1.28 करोड़ डोज दिए गए। 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक चले टीका उत्सव में सभी राज्यों ने उत्साह दिखाया और औसतन 35 लाख टीका रोजाना लगाया गया। रोजाना करीब 45000 केन्द्रों पर टीकाकरण कायर्क्रम किया गया जिसके तहत लाभार्थियों ने टीका लगवाया। टीका लगाने में महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश सबसे आगे रहे। बता दें कि कोरोना महामारी को हराने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाने की बात कही। इस दौरान सभी 45 साल से ऊपर से लोगों को टीका लगवाने के लिए आगे आने का आहवान किया।

5 दिन पहले मोदी ने की थी देशभर से अपील

मोदी ने 11 अप्रैल को टीका उत्सव की शुरुआत करते हुए कहा था, आज 11 अप्रैल यानी ज्योतिबा फुले जयंती से हम देशवासी टीका उत्सव की शुरुआत कर रहे हैं। यह उत्सव 14 अप्रैल यानी बाबा साहेब आंबेडकर जयंती तक चलेगा। उन्होंने लोगों से वैक्सीन लगवाने की अपील की थी। कहा था, मैं देशवासियों से आग्रह करता हूं कि वे 4 चीजों का पालन करें – जिन लोगों को टीका लगवाने में मदद की जरूरत है, उन्हें मदद करें। COVID उपचार में लोगों की मदद करें। मास्क पहनें और दूसरों को प्रेरित करें। कोई व्यक्ति पॉजिटिव पाया जाता है, तो इलाके में माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाएं।

ना टेस्ट है, ना वेंटिलेटर, वैक्सीन भी नहीं, बस उत्सव का ढोंग है

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में कोरोना की स्थिति को देखते हुए एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने पीएम मोदी की उत्सव वाली बात को ढोंग करार दिया है. राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा, सरकार सिर्फ उत्सव का ढोंग कर रही है. उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, ना टेस्ट हैं, ना हॉस्पिटल में बेड, ना वेंटिलेटर हैं, ना ऑक्सीजन, वैक्सीन भी नहीं है, बस एक उत्सव का ढोंग है. PMCares?

राहुल गांधी ने ये ट्वीट ऐसे समय में किया है जब कोरोना के नए मामलों ने 2 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है. 2 लाख का मार्क इससे पहले सिर्फ अमेरिका ने क्रॉस किया था. देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,00,739 नए मामले आए हैं, जिसके बाद कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 1,40,74,564 हो गई है. लगातार दूसरे दिन मौतों का आंकड़ा भी 1 हजार से ज्यादा है. पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से 1,038 लोगों की जान गई है. अबतक देश में 1,73,123 लोगों की कोरोना संक्रमण के चलते मौत हुई है. एक्टिव मामलों का आंकड़ा 14 लाख के पार पहुंच गया है. इस वक्त देश में 14,71,877 एक्टिव केस दर्ज हैं. कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़कर 1,24,29,564 पर पहुंच गई है. बढ़ते कोरोना मामलों के चलते दिल्ली, हरियाणा, और गुजरात ने राज्य में नाइट कर्फ्यू लगाया है, वहीं महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू, वीकेंड लॉकडाउन समेत धारा 144 भी लगाई गई है.

आखिरकार दिल्ली में भी लॉकडाउन

केजरीवाल ने वीकेंड कर्फ्यू लगाया, 5 हफ्ते में 25 गुना केस बढ़े; मॉल, जिम बाजार, और निजी दफ्तर बंद रहेंगे

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों ने आखिरकार दिल्ली सरकार को भी सख्त फैसला लेने पर मजबूर कर दिया। सीएम केजरीवाल ने दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू का ऐलान कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को नई पाबंदियों के बारे में बताया। वीकेंड कर्फ्यू शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। कर्फ्यू का फैसला इसलिए जरूरी हो गया था, क्योंकि 5 हफ्ते में दिल्ली में कोरोना के मामले 25 गुना बढ़ गए हैं। 11 मार्च से 17 मार्च तक यहां 2995 केस आए थे, जो 8 अप्रैल से 14 अप्रैल के बीच 76 हजार 870 तक पहुंच गए हैं। पाबंदियों के बीच दिल्ली सरकार ने इस सीजन होने वाली शादियों का खयाल रखा है। कर्फ्यू के दौरान शादियों में शामिल होने के लिए ई-पास दिए जाएंगे।

छूट और पाबंदी

1. मॉल, जिम, स्पा, ऑडिटोरियम, बाजार और निजी दफ्तर बंद रहेंगे।
2. सिनेमा हॉल खुलेंगे, लेकिन सिटिंग कैपेसिटी की 30त क्षमता के साथ।
3. रेस्टोरेंट में बैठकर खाना नहीं खा सकते, केवल होम डिलिवरी हो सकती है।
4. हर म्युनिसिपल जोन में रोज एक वीकली मार्केट खोले जाने की इजाजत।
5. कर्फ्यू के दौरान शादियां अटेंड करने के लिए लोगों को कर्फ्यू पास (ई-पास) दिए जाएंगे।

हरिद्वार कुंभ मेला बना कोविड-19 का बड़ा स्पॉट, क्षेत्र में 1701 लोग संक्रमित

देहरादून/ऋषिकेश। हरिद्वार कुंभ मेला क्षेत्र में 10 से 14 अप्रैल के बीच 1700 से अधिक लोगों के कोरोना वायरस संक्रमित पाए जाने के बीच आशंका जताई जा रही है कि विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा कोविड-19 के मामलों में आ रहे जबरदस्त उछाल को और तेज कर सकता है। स्वास्थ्यकर्मियों ने मेला क्षेत्र में इन पांच दिनों में 2,36,751 कोविड जांच कीं, जिनमें से 1701 लोगों की रिपोर्ट में उनके महामारी से ग्रस्त होने की पुष्टि हुई। हरिद्वार के मुख्य चिकित्साधिकारी शंभु कुमार झा ने कहा कि इस संख्या में श्रद्धालुओं और विभिन्न अखाड़ों के साधु-संतों की हरिद्वार से लेकर देवप्रयाग तक पूरे मेला क्षेत्र में पांच दिनों में की गई आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन जांच दोनों के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अभी और आरटी-पीसीआर जांच के नतीजे आना बाकी हैं और इस परिस्थिति को देखते हुए कुंभ मेला क्षेत्र में संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 2000 के पार निकलने की पूरी आशंका है।

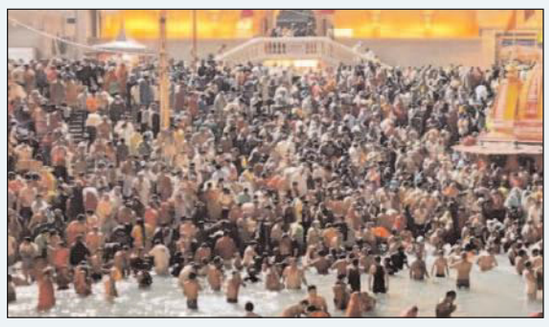

'त्रासदी छिपाने' में अपने संसाधन लगाने की बजाय ठोस कदम उठाए उप्र सरकार : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए बृहस्पतिवार को प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि 'त्रासदी छिपाने में' अपना समय, संसाधन और ऊर्जा लगाने की बजाय योगी सरकार को संक्रमण फैलने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए। उन्होंने लखनऊ के एक श्मशान घाट का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, ''उप्र की सरकार से एक निवेदन है कि अपना समय, संसाधन और ऊर्जा इस त्रासदी को छिपाने, दबाने में लगाना व्यर्थ है। महामारी को नियंत्रित करने, लोगों की जान बचाने, संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाइए। यही वक्त की पुकार है।'' उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 संक्रमण से 68 और लोगों की मौत हो गई तथा 20,510 नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। नए रोगियों का यह एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में 24 घंटे के दौरान 68 लोगों की मौत के बाद इस वायरस से राज्य में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 9,376 हो गई है।

देश में कोरोना के एक दिन में रिकॉर्ड दो लाख से अधिक मामले, 1038 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोविड-19 के एक दिन में रिकॉर्ड दो लाख से अधिक मामले सामने आने के बाद इस बीमारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 14 लाख के पार चली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, ये नए मामले आने से देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,40,74,564 पर पहुंच गए हैं। सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2,00,739 मामले आए जबकि 1,038 लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,73,123 हो गई है। संक्रमण के मामलों में लगातार 36वें दिन वृद्धि हुई है। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 14,71,877 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 10.46 प्रतिशत है जबकि स्वस्थ होने वाले लोगों की दर गिरकर 88.31 प्रतिशत रह गई है। सबसे कम 1,35,926 उपचाराधीन मरीज 12 फरवरी को थे और सबसे अधिक 10,17,754 उपचाराधीन मरीज 18 सितंबर 2020 को थे। इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1,24,29,564 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.23 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 के मामले सात अगस्त को 20 लाख का आंकड़ा पार कर गए थे।

देश में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 14,71,877 है और डिस्चार्ज हुए मामलों की कुल संख्या 1,24,29,564 है। बता दें किदेश में कुल 11,44,93,238 लोगों को कोरोना वायरस की वैक्सीन लगाई गई है।

बड़ा झटका : 8 सालों के उच्च स्तर पर पहुंची थोक महंगाई

मार्च में 7.39 फीसदी बढ़ी थोक महंगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और धातुओं के दाम में भारी इजाफा होने से बीते महीने मार्च में सालाना थोक महंगाई दर बढ़कर 7.39 फीसदी हो गई। इससे पहले फरवरी में थोक महंगाई दर 4.17 फीसदी दर्ज की गई थी। थोक महंगाई दर के ये आधिकारिक आंकड़े गुरुवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी किए गए। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बीते महीने 7.39 फीसदी रही। थोक मूल्य सूचकांक में सबसे ज्याद भारांक (64.2 फीसदी) वाले विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादों की कीमतों में 7.34 फीसदी का इजाफा हुआ जबकि फ्यूल और पावर (13.2 फीसदी भारांक) की कीमतों में 10.25 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, प्राइमरी आर्टिकल्स (22.6 फीसदी भारांक) की महंगाई 6.40 फीसदी बढ़ी।

खाद्य सूचकांक (24.4 फीसदी भारांक) में मार्च महीने के दौरान 5.28 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खाद्य सूचकांक में प्राइमरी आर्टिकल्स और विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादों में से खाद्य उत्पाद शामिल होते हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में खाद्य सूचकांक में 3.31 फीसदी का इजाफा हुआ था।

कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और धातुओं के दाम में भारी इजाफा होने से बीते महीने मार्च में सालाना थोक महंगाई दर बढ़कर 7.39 फीसदी हो गई। इससे पहले फरवरी में थोक महंगाई दर 4.17 फीसदी दर्ज की गई थी।

नई दिल्ली में आईएफ कमांडर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

चीन में मौजूद हैं बाइडन के विशेष दूत जॉन केरी, जलवायु परिवर्तन मामले पर चाहते हैं सहयोग

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के विशेष दूत जॉन केरी गुरुवार को जलवायु परिवर्तन पर चर्चा के लिए चीन में हैं। उनके इस दौरे का मकसद ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए बीजिंग का सहयोग प्राप्त करना है। इससे पहले उन्होंने भारत का भी दौरा किया। उस वक्त भी उन्होंने चीन के सहयोग को लेकर उम्मीद तो जताई थी, लेकिन वह इसके प्रति पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे। बता दें कि बाइडन प्रशासन के अधिकारी का पहला चीन दौरा है।अमेरिका के वाणिज्यिक दूतावास ने बताया कि केरी चीन पहुंच गए और शंघाई होटल में अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात करेंगे। दुनिया में सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाले चीन ने ऐलान किया है कि 2060 तक यह कार्बन न्यूट्रल हो जाएगा। चीन का यह दौरा राष्ट्रपति जो बाइडन की विश्व नेताओं के संग जलवायु सम्मेलन से पहले हो रही है। विदेश विभाग ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि केरी बुधवार से शनिवार के बीच शंघाई और सियोल (दक्षिण कोरिया) जाएंगे। यह यात्रा बाइडन प्रशासन में अबतक की सबसे उच्च स्तरीय चीन यात्रा है। 22-23 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने वर्चुअली आयोजित होने वाले जलवायु सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग समेत 40 विश्व नेताओं को आमंत्रित किया है। हाल में ही अलास्का में चीन और अमेरिका के अधिकारियों की मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों देश आपस में हांग कांग में चीन की नीतियों और उत्तर पश्चिम के शिनजियांग क्षेत्र में उइगर समुदायों पर अत्याचार को लेकर भिड़ गए थे। शंघाइ में अधिकारियों को पर्यावरण की चुनौतियों के साथ आगामी संयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में ग्लासगो में होने वाले जलवायु परिवर्तन पर वार्ता को लेकर चर्चा की उम्मीद है।

श्रीलंका में अलकायदा, आइएस सहित 11 आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध, मिलेगी 10 से 20 साल कैद

कोलंबो। आतंकी गतिविधियों से जूझ रहे श्रीलंका ने बड़ा कदम उठाया है। श्रीलंका सरकार ने ग्यारह कट्टरपंथी इस्लामिक संगठनों पर प्रतिबंध की घोषणा की है। इन संगठनों में अलकायदा और इस्लामिक स्टेट (आइएस) जैसे कुख्यात आतंकी ग्रुप भी शामिल हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ टेरेरिज्म प्रोविजन एक्ट के तहत की गई है। इस संबंध में राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने विशेष शासकीय अधिसूचना जारी की है।

इसमें आतंकी गतिविधियों में शामिल होने पर दस से बीस साल तक की कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। प्रतिबंधित किए जाने वाले संगठनों में स्थानीय श्रीलंका इस्लामिक स्टूडेंट मूवमेंट सहित कई मुस्लिम संगठन हैं। प्रतिबंध के लिए 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेन ने एक पैनल घोषित किया था। उक्त पैनल की रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई है। अधिसूचना के अनुसार, कानून का पालन न करने वाले या ऐसी किसी साजिश में शामिल होने वाले किसी भी दोषी व्यक्ति को 10 से 20 साल कैद की सजा हो सकती है। प्रतिबंधित संगठनों में श्रीलंका इस्लामी छात्र आंदोलन समेत कुछ स्थानीय मुस्लिम समूह शामिल हैं। बता दें कि वर्ष 2019 में ईस्टर पर हुए आत्मघाती हमले के बाद श्रीलंका सरकार ने स्थानीय जिहादी समूह नेशनल तौहीद जमात तथा दो अन्य संगठनों को प्रतिबंधित कर दिया था। राष्ट्रपति की तरफ से गठित पैनल ने उन मुस्लिम विद्रोही संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी जो बौद्ध बहुल देश में कट्टरपंथ की वकालत करते हैं।

मच्छर से ही रोका जा सकेगा मलेरिया, वैज्ञानिकों ने इजाद की नई तरकीब, जानें कैसे होगा संभव

वाशिंगटन। अब तक आपको यह मालूम कि मच्छरों के काटने से मलेरिया होता है। उससे बचने के लिए तरह-तरह के उपाय करते हैं लेकिन अब स्थिति बदलने वाली है। विज्ञानी इस प्रयास में लगे हैं कि मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के गट (पेट) के जीन में कुछ ऐसे बदलाव किए जाएं ताकि वह अपनी अगली पीढ़ी के जरिये मलेरिया रोधी जीन को फैलाए। इससे मलेरिया के प्रकोप को काबू किया जा सकेगा। इस आशय का प्रारंभिक अध्ययन ई-लाइफ नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

इस नए अध्ययन में मलेरिया फैलाने की मच्छरों की क्षमता को कम करने के लिए सीआरआइएसपीआर-सीएएस9 जीन एडिटिंग तकनीक के जरिये उसके जीन में बदलाव किया गया। यदि आगे का अध्ययन इस दृष्टिकोण का समर्थन करता है तो उससे मलेरिया की बीमारी तथा उससे होने वाली मौतों को कम करने में अहम कामयाबी मिल सकती है। दरअसल, जिस तरह से मच्छरों में कीटाणुनाशकों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी है तथा मलेरिया पैरासाइट पर भी एंटी मलेरियल दवाओं का असर कम हुआ है, वैसी स्थिति में मच्छरों से निपटने के लिए नए रास्ते तलाशना तात्कालिक जरूरत हो गई है। इस दिशा में जीन में बदलाव कर उसके प्रकोप को कम करना कारगर हो सकता है। इसके दो तरीके हो सकते हैं- पहला यह कि संशोधित जीन वाले ऐसे मच्छर वातावरण में छोड़े जाएं जिससे कि उनकी आबादी कम हो और दूसरा तरीका यह हो सकता है कि मलेरिया रोग फैलाने की मच्छरों की ताकत कम कर दी जाए। लेकिन ऐसा करने से पहले विज्ञानियों को इस बात से आश्वस्त हो जाना होगा कि यह एक सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। इंपीरियल कॉलेज, लंदन के शोधकर्ता तथा अध्ययन के प्रथम लेखक एस्ट्रिड होरमैन कहते हैं कि जीन ड्राइव मलेरिया नियंत्रित करने की दिशा में एक कारगर हथियार साबित हो सकता है।

2400 सैनिकों की कुर्बानी के बाद वतन लौटेगी सेना

150 लाख करोड़ खर्च और 20 साल बाद अफगानिस्तान से निकलेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी सैनिक 20 साल बाद एक बेहद लंबे और महंगे युद्ध के बाद अफगानिस्तान से वापस अपने वतन लौटेंगे। 9/11 हमले की 20वीं बरसी यानी 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिक यहां से निकल जाएंगे। पहले यह समयसीमा 1 मई थी लेकिन ढाई हजार से ज्यादा सैनिकों की वापसी को देखते हुए समय बढ़ा दिया गया। अलकायदा के 9/11 हमले के बाद साल 2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान में सेना उतारी थी। इस युद्ध में अमेरिका ने 2400 सैनिकों को खोया है।

साथ ही इस युद्ध पर अमेरिका ने 2 ट्रिलियन डॉलर यानी 150 लाख करोड़ रुपए के करीब खर्च किए हैं। मई 2011 में अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को मार गिराया लेकिन न तो तालिबान को खत्म कर पाया और न ही अफगानिस्तान में शांति स्थापित कर पाया है। बाइडेन प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि लंबी बहस और कई रिपब्लिकन के विरोध के बावजूद राष्ट्रपति बाइडेन ने यह निर्णय लिया है।राष्ट्रपति का कहना है कि अगर स्थितियों को आधार बना कर देखेंगे

तो अमेरिकी सैनिक कभी वहां से वापस ही नहीं लौट पाएंगे। हालांकि इस निर्णय के बाद यह बहस शुरू हो गई है अमेरिका के वापसी के बाद इस इलाके में फिर से युद्ध की स्थितियां न बन जाएं।

क्या अफगानिस्तान में सिविल वार जैसी स्थिति बन सकती है?

अफगानिस्तान की टर्की, कतर जैसे देशों के साथ कॉन्फ्रेंस होनी है। टर्की नाटो का भी हिस्सा है और अभी के समय बहुत पावरफुल है। टर्की के कदम बताएंगे कि अफगान में कैसी स्थिति बनेगी। वैसे सिविल वार जैसी संभावना बहुत कम है।

एशिया की शांति पर क्या असर?

एशिया की शांति पर खासा फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि अब तालिबान पहले की तरह मजबूत नहीं है। ये तो तय है कि पाकिस्तान पूरी तरह से तालिबान को मदद करेगा। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि वापसी के बाद अमेरिका का रोल किस तरह का रहेगा। तालिबान ने हरकत की तो अमेरिका एयर अटैक जैसे कदम उठाएगा।

भारत पर इसका क्या असर होगा? फायदेमंद होगा या नुकसानदायक?

हमें न नुकसान है और न फायदा। भारत तो अफगानिस्तान की हर तरह से मदद कर रहा है। हम अफगानिस्तान की सेना को ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। भारत आगे मदद के लिए अपने सैनिक भी भेज सकता है। भारत के नजरिए से शांति रहे तो बेहतर है, क्योंकि पाक और तालिबान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। टर्की अगर अफगानिस्तान की मदद करता है तो पूरे इलाके में शांति बनी रहेगी।

अफगानिस्तान में तालिबान और आतंकवाद पर क्या असर होगा?

अफगानिस्तान में अभी अफगानी तालिबान और पाकिस्तानी तालिबान सक्रिय हैं। इसके साथ ही सीरिया क आईएसआईएस, हकानी ग्रुप भी पाकिस्तान संरक्षित तालिबान जैसे आंतकी संगठन को मदद करता है। लेकिन आंतकी संगठन तालिबान अब कमजोर हो गया है। भले ही अफगान की 60 फीसदी जमीन पर तालिबान क प्रभाव हो लेकिन अफगानिस्तान की फौज लड़ भी रही है और मरने के लिए तैयार भी है। ऐसे में हम अफगानिस्तान को मजबूत ही कहेंगे।

यह सामान्य वापसी है या कुछ और?

अमेरिका अभी अफगानिस्तान में 7 जगहों पर मजबूती से बैठा है। रणनीति के तहत वो केवल सेना को वापस बुला रह है। लेकिन वापसी के बाद भी अमेरिक सक्रिय रहेगा। ऐसा नहीं रहेगा कि फिर वे ध्यान न रखे। अगर तालिबान हमलावर रहा तो वो वापस सेना भेज सकता है और एयर अटैक जैसे कदम भी उठा सकता है।

चुपचाप कब्जा करने की फिराक में पड़ोसी देश

चीन ने विवादित इलाके में सैकड़ों छोटी नावें तैनात कीं, इन पर पीएलए के सैनिक मौजूद होने का शक

हॉन्गकॉन्ग। चीन ने अपनी विस्तारवादी नीति को जारी रखते हुए विवादित दक्षिण चीन सागर इलाके में मछली पकड़ने वाली सैकड़ों नावों को तैनात कर दिया है। माना जा रहा है कि इस पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिक भी मौजूद हैं, जो इलाके पर चुपचाप कब्जा करने की फिराक में है। पश्चिमी देशों के विशेषज्ञों के मुताबिक, चूंकि जापान, फिलीपींस, मलेशिया जैसे देशों से इस इलाके को लेकर चीन का विवाद चल रहा है और सीधे युद्ध न करना पड़े, इसलिए चीन ने यह तरीका अपनाया है।

मैक्सार टेक्नोलॉजीज ने दक्षिणी चीन सागर में स्थित व्हिट्सन रीफ में चीनी जहाजों की सैटेलाइट तस्वीर भी जारी की है,

जिसमें सैकड़ों छोटी-छोटी नावें तैरती दिखाई दे रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि नीले रंग की ये नावें चीनी सेना द्वारा नियंत्रित हैं और यह दक्षिणी चीन सागर और उससे आगे के क्षेत्र पर अपने दावों को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। इससे वह विवादित क्षेत्रों में मौजूदगी दर्ज करवाना चाहता है क्योंकि बिना लड़ाई के उसके लिए इन पर कब्जा करना असंभव है।

विशेषज्ञ बोले-इतने बड़े पैमाने पर चीनी नौकाओं का ऑपरेशन नहीं देखा

सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के विशेषज्ञों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतने बड़े पैमाने पर चीनी नौकाओं का ऑपरेशन नहीं देखा है। समुद्री मिलिशिया ने तब सुर्खियां बटोरीं, जब फिलीपींस के कब्जे वाले व्हिट्सन रीफ के आसपास चीन की 200 मछली पकड़ने वाली नौकाओं का जमावड़ा लग गया था।

कोरोना दुनिया में: बीते दिन 8.04 लाख नए केस आए, यह पिछले 3 महीनों में सबसे ज्यादा

ब्राजील में नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला

वाशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना की नई लहर खतरनाक होती ज रही है। बीते दिन दुनिया में 8.04 लाख नए केस आए। यह पिछले 3 महीनों में एक दिन मे मिलने वाले संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 8 जनवरी को 8.45 लाख लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई थी।

वहीं, दुनिया में 13,532 लोगों की मौत हुई। इसमें सबसे ज्याद मौतें ब्राजील में रिकॉर्ड की गईं। यहां बीते दिन 3,462 लोगों की मौत हुई। यहां मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। महामारी की वजह से ब्राजील में अब तक 3.62 लाख लोगों की मौत हो चुकी है।

ब्रिटेन 97 दिन बाद अनलॉक

ब्रिटेन 97 दिन बाद फिर से गुलजार होने लगा है। दुनिया का सबसे लंबा और सख्त लॉकडाउन 12 अप्रैल से अनलॉक होना शुरू हो गय है। बेकाबू होते कोरोना के कारण यहां 5 जनवरी से लॉकडाउन शुरू हुआ था। हालांकि, दिसंबर से ही ब्रिटेन में कई तरह के प्रतिबंध लग दिए गए थे। अब फिर से महीनों बाद सैकड़ों जिम, हेयरसैलून और रिटेल स्टोर खुल गए हैं।

अब तक 13.88 करोड़ केस

दुनिया में अब तक 13.88 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 29.84 लाख मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि 11.16 करोड़ लोग ठीक हो गए। 2.42 करोड़ मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। इनमें 2.41 करोड़ मरीजों में संक्रमण का हल्का लक्षण है, जबकि 1.06 लाख मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है।

दुबई के तीन बड़े रेस्त्रां में 90फीसदी छूट

वैक्सीन लगवाने के लिए दुनियाभर में लुभावने ऑफर्स, कहीं टैक्स, किराने में छूट तो कहीं बोनस और दो दिन छुट्टी भी दी जा रही

न्यूयार्क। कोरोनावायरस से बचने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक मास्क, दो गज दूरी के साथ वैक्सीन अनिवार्य रूप से लगवाने पर जोर दे रहे हैं। भारत समेत कई देशों में इसके लिए लुभावने ऑफर्स भी दिए जाने लगे हैं। दिल्ली नगर निगम वैक्सीन लगवाने पर टैक्स में 5त्न की अतिरिक्त छूट दे रहा है, जबकि रूस में फ्री आइसक्रीम, इजराइल में कोक केन, पिज्जा-पेस्ट्रीज ऑफर किए जा रहे हैं। अमेरिका में फ्री वीडियो गेम, किराने के सामान में भारी डिस्काउंट के साथ कई वस्तुएं फ्री दी जा रही हैं।

वहां कई कंपनियां कोरोना की दूसरी लहर को पहले से अधिक खतरनाक मानते हुए अपने कर्मचारियों को 250 डॉलर यानी करीब 18,500 रुपए का बोनस और दो दिन की छुट्टी भी दे रही हैं। जापान में कोरोना वैक्सीन के प्रभारी मंत्री तारो कोनो ने एक इंटरव्यू में यहां तक कह दिया कि वैक्सीनेशन बढ़ाने के लिए वे यहां की फेमस डिश 'ग्योझा' (एक प्रकार का पकौड़ा) देने पर भी विचार कर सकते हैं।

दुबई के तीन बड़े रेस्त्रां ने वैक्सीन का पहला डोज लगवाने पर 90त्न और दूसरा डोज लगवाने पर 80त्न छूट देने का ऑफर चलाया है। मैक्सिको में वैक्सीन सेंटर पर आए लोगों को उनकी मनपसंद बैंड धुन बजाकर खुश किया जा रहा है। सबसे ज्यादा ऑफर अमेरिका में दिए जा रहे हैं। यहां मैकडोनाल्ड्स, एटी एंड टी, इन्साकार्ट, ट्रेडर जोस, कोबानी जैसी कई कंपनियों ने कर्मचारियों को छुट्टी और कैश देने की घोषणा की है। इसके अलावा कर्मचारियों को वैक्सीन केंद्रों तक आने-जाने के लिए 30 डॉलर यानी करीब 2,200 रुपए भी देने की घोषणा की है। मिशिगन में वैक्सीन लगवाने वाले वयस्कों को प्री-रोल्ड मारिजुआना (गांजा) उपलब्ध कराया जा रहा है। इधर, गुजरात के मोरबी जिले में पहली लहर में स्वर्णकार समाज ने अपने समुदाय के लोगों के लिए अनूठी पहल की। समाज की 1331 महिलाओं को वैक्सीन लगवाने पर सोने की नथ और

पुरुषों को हैंड ब्लैंडर दिए गए। इसके लिए 10 लाख रुपए खर्च किए गए।

चीन में सख्ती भी काम नहीं आई, फ्री में आइसक्रीम और अंडे दिए जा रहे

चीन में वैक्सीन लगाने के लिए सख्ती काम नहीं आई तो वहां भी लुभावने ऑफर्स शुरू हो गए हैं। बीजिंग में कई सेंटरों पर लोगों को आइसक्रीम फ्री दी जा रही है, जबकि 60 साल से अधिक उम्र वालों को अंडों का बॉक्स और दूसरे डोज पर दो बॉक्स दिए जा रहे हैं। यहां वैक्सीन के लिए कतार में खड़ी 60 साल की वांग शुहुई ने कहा- 'मैं टीका लगवाने आई हूं अंडे के लिए नहीं।'

पाक से रिश्तों पर रूस की सफाई: रूसी राजनयिक ने कहा-

पाकिस्तान को हथियार आतंकवाद से निपटने के लिए देंगे, भारत को एस-400 तय वक्त पर मिलेगा

मास्को। अमेरिका के साथ बढ़ती भारत की नजदीकी उसे रूस से दूर ले जा रही है। नतीजा, पाकिस्तान के साथ रूस के रिश्ते दिन-ब-दिन गहराते जा रहे हैं। भारत भी इस पर कई बार चिंता जाहिर कर चुका है। इसके बाद बुधवार को रूस की तरफ से सफाई आई है। नई दिल्ली में रूस के राजनायिक निकोलय कुडाशेव और डिप्टी चीफ रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि भारत के साथ उनके संबंध पहले जैसे ही हैं।

पाकिस्तान को हथियार सप्लाई करने की बात पर उन्होंने कहा कि रूस, पाकिस्तान को इसलिए हथियारों की सप्लाई करता है, ताकि वे आतंकियों से लड़ाई में उसका इस्तेमाल कर सकें। रूस कभी भारत को हथियार सप्लाई करने में पीछे नहीं हटेगा। अमेरिकी प्रतिबंधों के डर के बाद भी भारत को स-400 एयर डिफेंस सिस्टम टाइम पर मिलेगा। बता दें कि रूस नवंबर 2021 में भारत को स-400 देने वाला है। भारत इसके लिए 5.43 अरब डॉलर की एडवांस पेमेंट भी कर चुका है।

तीनों देश SCO के सदस्य

रूसी राजनायिकों ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के साथ रूस के रिश्ते में अंतर है। बाबुश्किन ने कहा कि ये सोचना गलत है कि रूस अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव कर रहा है। तीनों देश शंघाई कॉर्पोरेशन (स्ष्ठह्व) के सदस्य हैं। हम रीजनल सिक्योरिटी और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम कर रहे हैं।

इंडो पैसिफिक पर चिंता जाहिर की

दोनों ने भारत के इंडो-पैसिफिक के कंसेप्ट और Quad (क्वॉड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) में बढ़ती एक्टिविटी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की इंडो-पैसिफिक रणनीति का उद्देश्य

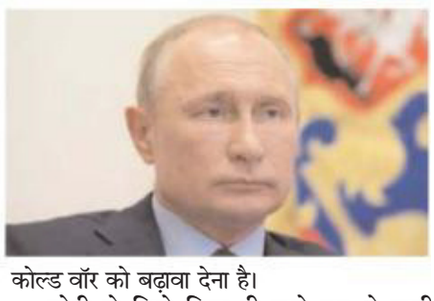

कोल्ड वॉर को बढ़ावा देना है।

मोदी से मिले बिना ही चले गए थे रूसी विदेश मंत्री

कुछ ही दिन पहले रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने नई दिल्ली का दौरा किया था। ये दौरा इस साल के मध्य में होने वाली भारत और रूस की समिट को देखते हुए किया गया था। हालांकि, उनके दौरे में एक अजीब वाकया हुआ। रूस के अधिकतर नेताओं की तरह उन्होंने अपनी यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोई मुलाकात नहीं की और सीधे पाकिस्तान चले गए। रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में कहा था कि रूस पाकिस्तान को स्पेशल मिलिट्री संसाधन मुहैया कराएगा। हालांकि, भारत लंबे समय से रूस के पाकिस्तान को हथियार बेचने का विरोध करता आया है।

पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात: कट्टर इस्लामिक संगठन TLP के चीफ साद हुसैन की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा; 7 की मौत, 300 पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कट्टर इस्लामिक संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्ता प्रमुख साद हुसैन रिजवी की गिरफ्तारी के बाद जमकर हिंसा हो रही है। हिंसा में 7 लोगों की मौत हो चुकी है और 300 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अब तक 2000 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने साद की पार्टी TLP को आतंकी संगठन घोषित कर उस पर बैन लगा दिया है।

TLP चीफ रिजवी को 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद हजारों लोग उसकी रिहाई के लिए सड़कों पर उतर आए। गिरफ्तारी से नाराज लोगों ने पुलिस और पाकिस्तान रेंजर्स पर हमला कर दिया। जवाबी फायरिंग में 5 लोगों की मौत हो गई। हिंसा में 2 पुलिसकर्मी भी मारे गए। इधर, TLP का दावा है कि पुलिस की फायरिंग में उनके 12 समर्थक मारे गए हैं।

पाकिस्तान की सरकार ने साद को क्यों गिरफ्तार किया?

फ्रांस की शार्ली हेब्दो मैग्जीन ने जनवरी 2015 में पैगंबर मोहम्मद पर कार्टून प्रकाशित किए थे। इसके कुछ दिनों बाद 7 जनवरी 2015 को आतंकियों ने मैग्जीन के 12 कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। 1 सितंबर 2020 को मैग्जीन ने फिर वही कार्टून प्रकाशित किए थे। उस समय साद हुसैन रिजवी ने पाकिस्तान की सरकार से फ्रांस के राजदूत को देश से निकालने की बात

कही थी। सरकार नहीं मानी, तो सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शन दबाने के लिए सरकार ने 20 अप्रैल 2021 तक फ्रैंच राजदूत को देश से निकालने का वादा कर दिया। जब ये तारीख पास आने लगी तो साद ने फिर वही मांग दोहराई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

कौन है साद हुसैन रिजवी?

साद हुसैन रिजवी पाकिस्तान का एक धर्म गुरू है। 1 अगस्त 2015 को उसने TLP नाम की पार्टी बनाई। 2018 के चुनाव में पार्टी ने 175 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा। पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी, लेकिन उसे 25 लाख वोट मिले। चुनाव के बाद साद हुसैन रिजवी की लोकप्रियता काफी बढ़ गई। पाकिस्तान के कट्टर इस्लामिक लोग उसे पसंद करने लगे। रिजवी की पार्टी का पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में काफी दबदबा है।

गृह मंत्री ने कहा- फंडिंग करने वालों पर कार्रवाई होगी

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने कहा कि पंजाब की सरकार ने TLP को बैन करने का प्रस्ताव भेजा था। इसे स्वीकार कर लिया गया। पार्टी को फंडिंग करने वाले लोगों को भी चेतावनी दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन की वजह से जिन हाइवे पर जाम लगा था, उन्हें खुलवा दिया गया है। बड़े शहरों में ज्यादा से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है।

हिंसा के चलते 815 भारतीय सिख फंस गए थे

बैसाखी पर 12 अप्रैल को भारत से 815 सिखों का जत्था रावलपिंडी के पंजा साहिब गुरुद्वारे के लिए निकला था। 25 बसों में निकला जत्था वाघा बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान में दाखिल हुआ था। पाकिस्तान में चल रही हिंसा के कारण जत्थे को 3 घंटे का सफर तय करने में 14 घंटे लग गए। ये जत्था मंगलवार दोपहर को किसी तरह लाहौर के एक गुरुद्वारे पहुंचा। इसके बाद इन्हें पाकिस्तानी रेंजर्स की सुरक्षा में पंज साहिब गुरुद्वारा पहुंचाया गया।

विदेश मंत्री ने कहा- जत्थे की सुरक्षित वापसी की कोशिश कर रहे

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कह कि भारतीय सिखों के जत्थे की स्थिति पर सरकार नजर बनाए है। उनकी सुरक्षित वापसी की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तानी अधिकारियों के संपर्क में हैं। इससे पहले दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मंजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया पर सिखों के जत्थे को सुरक्ष मुहैया कराने की मांग की। उन्होंने कह कि हम विदेश मंत्री से गुजारिश करते है कि वे सिखों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करें।

दिल्ली में कोरोना का कहर जारी

16 हजार से अधिक नए मामले, 112 लोगों की मौत

नई दिल्ली (आनंद राय) ।

नई दिल्ली । दिल्ली में कल की अपेक्षा गुरुवार को कोरोना वायरस के मामलों में मामूली कमी देखने को मिली, लेकिन आज मौत का आंकड़ा

1000 से अधिक नए कंटेनमेंट जोन बने

13 हजार से अधिक लोग ठीक भी हुए

थोड़ा बढ़ गया। दिल्ली में गुरुवार को कोरोना के 16000 से अधिक नए पॉजिटिव केस आने आने के साथ ही संक्रमित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 7.84 लाख के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही अब पॉजिटिविटी रेट भी 20.22 फीसदी पर आ गया है। कोरोना संक्रमण से आज 112 मरीजों की मौत भी हो गई, लेकिन 13 हजार से अधिक लोग ठीक भी हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में जहां कोरोना के 16,699 नए मरीज मिले हैं, वहीं 112 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों का कुल आंकड़ा बढ़कर 11,652 पर पहुंच गया है। बुधवार को 17,282 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। बुलेटिन के अनुसार, आज 13014 मरीज पूरी तरह ठीक होकर कोरोना मुक्त हो गए, जबकि बुधवार को यह संख्या 9952 थी। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि दिल्ली में अब तक संक्रमितों की कुल संख्या 7,84,137 हो गई है और 26,974 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। राजधानी में अब कोरोना वायरस संक्रमण के एक्टिव केस भी बढ़कर 54,309 हो गए हैं। वहीं, अब तक कुल 7,18,176 मरीज इस महामारी को मात देकर कोरोना मुक्त हो चुके हैं। इसके साथ ही अब तक मरने वालों की संख्या 11,652 हो गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीते 24 घंटे में दिल्ली में कुल 82,569 टेस्ट किए गए हैं। इनमें से 59,401 आरटीपीआर/ सीबीएनएएटी / ट्रूनैट टेस्ट और 23,168 रैपिड एंटीजन टेस्ट शामिल थे।

दिल्ली में अब तक कुल 15,944,203 जांचें हुई हैं और प्रति 10 लाख लोगों पर 8,39,168 टेस्ट किए गए हैं। इसके साथ ही अब दिल्ली में आज 1063 नए कंटेनमेंट जोन बनाए जाने के बाद इनकी संख्या भी बढ़कर 8661 पर पहुंच गई है, जबकि बुधवार को इनकी संख्या 7598 थी। बुधवार को 17,282, मंगलवार को 13,468, सोमवार को 11,491, रविवार को 10,774, शनिवार को 7,897 और शुक्रवार को 8,521 मरीजों में कोरोना की पुष्टि हुई थी।

वीकेंड कर्फ्यू पर मंडी चलेगी, जारी होंगे पास

नई दिल्ली (संवाददाता)।

वीकेंड कर्फ्यू की घोषणा के बाद कहीं फल-सब्जियों की दिक्कत राजधानीवासियों को ना हो इसे लेकर आजादपुर मंडी के चेयरमैन आदिल अहमद खान ने गुरूवार को अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। जिसमें तय किया गया कि मंडी वीकेंड कर्फ्यू के दौरान भी चलेगी और मंडी में काम कर रहे व्यापारी, मजदूर और किसानों को पास के लिए निर्देश जारी किए गए ताकि मंडी सुचारू रूप से काम कर सकें। मालूम हो कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली में शुक्रवार रात 10 बजे से लेकर सोमवार सुबह 6 बजे तक वीकेंड कर्फ्यू का एलान किया है।

मिलेगा फ्री मास्क व सैनिटाइजर

आदिल ने कहा कि शुक्रवार तक सारी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। दोपहर बाद से एपीएमसी कार्यालय मंडी में काम करने वाले लोगों को पास जारी करेगा। कोविड के बढते प्रकोप को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मंडी परिसर में कोविड 19 को लेकर जारी सभी दिशानिर्देशों का पालन करवाया जाए। मंडी परिसर में अनाउंसमेंट के माध्यम से व्यापारियों, किसानों एवं मजदूरों को जागरूक कर सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सेनेटाइजर व बार-बार हाथ धोने के साथ कोविड प्रोटोकॉल के पालन की अपील की जा रही है।

आदिल ने बताया कि मंडी परिसर में काम करने वाले सभी व्यापारी, मजदूर एवं किसानों को दिल्ली सरकार के तरफ से फ्री मास्क और सैनिटाइजर के वितरण का निर्देश दिया गया है।

मंडी की आवक सामान्य, नहीं बढ़ा फल-सब्जी का रेट

आदिल ने कहा कि मंडी में आवक सामान्य है किसी भी फल व सब्जी के रेट में कोई बढोत्तरी दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने दिल्लीवालों से अपील की है कि वो बिल्कुल भी ना घबराएं। दिल्ली सरकार राजधानीवासियों को उचित मूल्य पर ताजे सब्जी व फल मुहैया करवाती रहेगी।

एक नजर

देश के 50 संग्रहालय 3693 स्मारक एक माह के लिए बंद

नई दिल्ली। कोविड महामारी के भयंकर प्रकोप के मद्देनजर सरकार ने देश भर के 50 राष्ट्रीय संग्रहालय और 3693 पुरातात्विक महत्व के भवनों को एक महीने के लिए बंद कर दिया है। संस्कृति मंत्रालय के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने गुरुवार को एक आदेश जारी करके उसके अधीन सभी संग्रहालयों और अन्य इमारतों को 15 मई तक आम दर्शकों एवं सैलानियों के लिए बंद कर दिया। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने ट्वीटर पर कहा, कोरोना की महामारी के वर्तमान प्रकोप को देखते हुए संस्कृति मंत्रालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के द्वारा संरक्षित सभी स्मारकों को आगामी 15 मई तक बंद रखने का फैसला किया है।

स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ओम नाथ सूद क्रिकेट के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। संचित सभरवाल की धुआंधार बल्लेबाजी (84 रन ,6 छक्के, 7 चौके, 55 गेंदे) व अमन सहरावत (3/26) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने राष्ट्रीय स्वाभिमान खेल परिसर मैदान पर खेले जा रहे 31वें अखिल भारतीय हितकारी ओम नाथ सूद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में रोहतक रोड जिमखाना को गुरुवार को छह विकेट से हराकर क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश किया। मुख्य अतिथि जितेन्द्र गाबा ने कुबेर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संचित सभरवाल को व पारकी सांत्वना पुरस्कार क्रमशः ध्रुव घई को प्रदान किया। पहले खेलते हुए आर आर जिमखाना ने ध्रुव घई के 53 रनों की सहायता से 39.3 ओवरों में 159 रन बनाए। एक समय जिमखाना ने 24.3 ओवरों में 2 विकेट पर 110 रन बना लिए थे। जीत के लिए 160 रनों का आसान सा लक्ष्य कॉलेज की टीम ने मात्र 21.3 ओवरों में चार विकेट खोकर आसानी से पा लिया। संचित सभरवाल ने 84 व हिमांशु राणा ने 49 रन बनाए। ध्रुव घई ने दो विकेट लिए।

क्रैग बज क्रिकेट में पॉजिटिव और उदयभान विजयी

नई दिल्ली। अभिराज गगन सिंह (47) और शिवांश बहुखंडी (3/16) के उम्दा खेल की बदौलत पॉजिटिव रोड अकादमी (167/5) ने टी एन एम् अकादमी (144/10) को 23 रनों से पराजित कर क्रैग बज स्पोर्ट्स अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत दर्ज की। दिन के दूसरे मैच में सौम्या गोयल 4/16 और मिहिर सिंह 3/21 की सटीक गेंदबाजी और नानम मैनी 55 अविजित के शानदार प्रदर्शन के बलबुते पर उदयभान अकादमी(94/1) ने एम् -10 अकादमी (93/10) को 9 विकेट से पराजित किया।

कमिश्नर ने अपने जवानों को सर्जिकल मास्क पहनने की दी सलाह

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली पुलिस कमिश्नर एस.एन. श्रीवास्तव ने कोविड-19 के मामले बढ़ने के बीच सभी पुलिस कर्मियों से खुद को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त एहतियात बरतने, सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखने और एन-95 या थ्री प्लाई सर्जिकल मास्क पहनने को कहा है। पुलिस कमिश्नर ने गुरुवार को जारी एक वीडियो मैसेज में अपने जवानों से अधिक सतर्क रहने और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करने को कहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की नई लहर पहले की तुलना में अधिक गंभीर प्रकृति की है। कोविड-19 से लड़ाई में दिल्ली पुलिस द्वारा निभाई गई महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमारे कुछ कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं और यह संख्या बढ़ती जा रही, जो चिंता का कारण है। इस साल के लिए उपलब्ध कराए गए पुलिस आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में 73 कर्मियों में कोविड-19 की पुष्टि हुई, जबकि फरवरी में 33 और मार्च में 390 कर्मी वायरस से संक्रमित हुए। कमिश्नर ने पुलिस बल के कर्मियों से ड्यूटी करते हुए और खासकर एक-दूसरे से संवाद के दौरान, वेरिफिकेशन अभियान चलाते हुए, चालान जारी करते वक्त, पिकेट ड्यूटी पर रहने या अस्पतालों का दौरा करने के दौरान पर्याप्त एहतियात बरतने को कहा है।

दिल्ली पर लगातार 15 साल राज करने वाली बेजान कांग्रेस में कौन फूंके जान?

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली पर लगातार 15 साल राज करने वाली कांग्रेस आज गिनती के नेताओं-कार्यकर्ताओं तक सिमटने लगी है। पार्टी की कोई भी गतिविधि हो, वही गिने-चुने चेहरे नजर आते हैं। अब ताजा उदाहरण बुधवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित आंबेडकर जयंती का ही ले लीजिए। एक भी पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित नहीं था। पूर्व विधायक के तौर पर भी पांच छह नाम ही हैं, जो अमूमन हर मौके पर नजर आ जाते हैं। जिला अध्यक्ष भी चार-पांच ही पहुंचते हैं। अन्य किसी को कोई जैसे मतलब नहीं रह गया है। ऐसा लगता है मानो दिल्ली प्रदेश कांग्रेस में आज जो कुछ भी होता है, वह केवल रस्म अदायगी रह गया है। न कोई जुड़ना चाहता है और न ही कोई किसी को जोड़ना चाहता है। हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल रहता है कि इस बेजान कांग्रेस में आखिर जान फूंकेगा कौन?

फेसबुक और ट्विटर आजकल किसी भी राजनीतिक पार्टी के प्रचार के बड़े माध्यम बन चुके हैं। पार्टी नेताओं की तमाम पोस्ट इनके माध्यम से कुछ ही समय में न केवल पार्टी के हर नेता कार्यकर्ता तक पहुंच जाती हैं, बल्कि आमजन में भी प्रचारित हो जाती हैं। अमूमन हर पार्टी इसके लिए एक अलग टीम रखती है। दिल्ली कांग्रेस यहां भी पिछड़ती नजर आ रही है। ट्वीट तो पार्टी के कई नेता करते हैं, लेकिन वायरल केवल एक या दो के ही किए जाते हैं। मतलब, संगठन की मजबूती से ज्यादा व्यक्ति पूजा को तवज्जो दी जाती है। यह भी ध्यान रखा जाता है कि किसकी नाराजगी से हमारी कुर्सी को खतरा हो सकता है और किसकी नाराजगी के कोई मायने नहीं है। विडंबना यह कि राजनीति के नक्शे से लगातार ओझल हो रही कांग्रेस में यह व्यक्ति पूजा और गुटबाजी धीमे जहर का ही काम कर रही है।

नए नेताओं की अजब-गजब कहानी कांग्रेस की दिल्ली इकाई के तमाम वरिष्ठ नेता एक-एक करके पार्टी को अलविदा कह रहे हैं। हाल ही में वरिष्ठ कांग्रेसी अंजलि राय भी पार्टी का साथ छोड़ गईं। पिछले 12 माह में ऐसे नेताओं की संख्या शायद 15 से भी ज्यादा हो गई है।

दिलचस्प यह कि कांग्रेस भी बीच-बीच में कुछ नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलवाती रहती है। लेकिन जाने वाले नेताओं की तो बाकायदा एक पहचान होती है, जबकि आने वाले नेताओं को बताने के बाद भी कोई नहीं जानता। हैरत की बात यह कि पार्टी की सदस्यता लेने वाले ये नेता सुबह प्रदेश कार्यालय में फोटो खिंचवाकर शाम को अगर भाजपा या आम आदमी पार्टी कार्यालय में भी घूमते नजर आ जाएं तो अतिशयोक्ति नहीं। दरअसल इनकी कोई पहचान ही नहीं होती। कोई ब्लाक स्तर का नेता होता है तो कोई विधानसभा स्तर का, कोई किसी पेशे से जुड़ा होता है तो किसी व्यवसाय से।

कोरोना काल में जेएनयू एवं डीयू के छात्र जारी नहीं रख पाए पढ़ाई

नई दिल्ली । कोरोना काल में बड़ी संख्या में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एवं दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के छात्र पढ़ाई जारी नहीं रख पाए। यह जानाकारी जेएनयू छात्र अनघा प्रदीप की ओर से सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत किए गए आवेदन के जवाब में सामने आई है।

अनघा प्रदीप ने जेएनयू स्कूल आफ सोशल साइंस से पढ़ाई कर रहे छात्रों के विषय में जानकारी मांगी थी। इसमें पता चला कि मार्च 2020-21 यानी एक साल के दरम्यान स्कूल आफ सोशल साइंस(एसएसएस) से स्नातकोत्तर कर रहे 22 छात्र पढ़ाई जारी नहीं रख पाए। इनमें आठ छात्रओं समेत अन्य आरक्षित वर्ग के छात्र शामिल है। वहीं, एसएसएस से एमफिल कर रहे 25 छात्रों ने भी पढ़ाई छोड़ दी है।

अनघा प्रदीप ने कहा कि जेएनयू में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र पढ़ते हैं। कोरोना काल में विवि बंद है। छात्र घर से पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन बड़ी संख्या में छात्रों के पास स्मार्टफोन, टैबलेट व लैपटाप नहीं है। ऐसे में छात्र कैसे पढ़ाई करेंगे। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबंद्ध मैत्रेयी कालेज ने प्रथम वर्ष की 32 छात्रओं की एक लिस्ट जारी की है। कालेज प्रशासन ने कहा है कि इन छात्रओं का नाम रोल नंबर से हटा दिया गया है। क्यों कि इन छात्रओं ने परीक्षा फार्म नहीं भरा था। इन छात्रओं ने गत महीने आयोजित ओपन बुक परीक्षा नहीं दी थी। इसमें बीए प्रोग्राम की आठ, बीएससी लाइफ साइंस की पांच, एमए राजनीति विज्ञान की दो छात्रएं शामिल है।इसके अलावा बीएससी जीव विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास की छात्रएं भी शामिल है। कालेज प्रशासन ने बताया कि ऐसा हो सकता है कि डीयू में दाखिले की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी इन छात्रओं ने कहीं और दाखिला ले लिया हो।

निजामुद्दीन मरकज में फिलहाल पांच लोगों को ही नमाज पढ़ने की इजाजत, केंद्र से जवाब तलब

नई दिल्ली । निजामुद्दीन मरकज में मौजूद मस्जिद में अभी पांच लोगों को ही नमाज पढ़ने की इजाजत होगी। मरजान के दौरान 50 लोगों के प्रवेश की इजाजत की दिल्ली वक्फ बोर्ड की मांग को फिलहाल दिल्ली हाईकोर्ट ने ठुकरा दिया है। इसके साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने कई धार्मिक स्थलों के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर गंभीर रुख अपनाया है।

अदालत ने केंद्र को स्पष्ट करने का निर्देश दिया है कि क्या दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते किसी भी समारोह पर रोक संबंधी दिशा निर्देशों का पालन किया जा रहा है या नहीं। अदालत ने यह निर्देश उस तर्क पर दिया कि राजधानी में कई धार्मिक स्थलों के बाहर काफी भीड़ है।

न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता ने केंद्र सरकार को शपथपत्र सहित स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि 10 अप्रैल को जारी डीडीएमए के निषेधाज्ञा का किस तरह से पालन किया जा रहा है और क्या राष्ट्रीय राजधानी में किसी भी तरह की सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, अन्य समारोह या सभा की अनुमति दी जा रही है। अदालत ने मामले की सुनवाई 15 अप्रैल तय की है। दरअसल निजामुद्दीन मरकज मामले की सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि डीडीएमए के आदेश को समान रूप से लागू नहीं किया गया क्योंकि एक धर्म विशेष के पूजा स्थलों के बाहर विशाल सभाएं और कतारें देखी गईं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान द्वारा मीडिया को दिए गए उस बयान पर भी नाराजगी जताई, जिसमें कहा गया था कि कोर्ट ने मस्जिद को चालू करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके द्वारा इस तरह का बयान दिया गया था जब मस्जिद को फिर से खोलने के संबंध में मुद्दे पर अभी फैसला होना बाकी था।

दरअसल पुलिस ने पेश रिपोर्ट में कहा कि जब थानाध्यक्ष व अन्य अदालत के निर्देश पर मस्जिद का निरीक्षण करने गए तो विधायक अमानतुल्लाह खान भारी भीड़ के साथ वहां पुहंच गए व श्रेय लेने की होड़ में कहा कि उनकी याचिका पर अदालत ने मस्जिद को पूरी तरह से खोल दिया है।

उधर सालीसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि निजामुद्दीन मरकज मस्जिद के अंदर 10 अप्रैल के डीडीएमए के आदेश को देखते हुए रमजान के दौरान नमाज अदा करने के लिए प्रतिदिन पांच से अधिक लोगों को अनुमति नहीं दी जा सकती है।

अदालत वक्फ बोर्ड द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें निजामुद्दीन मरकज को रमजान के ध्यानार्थ खोलने की मांग की है। मरकज को पिछले वर्ष मार्च माह में तब्लीगी जमात के जरिए बंद कर दिया था।

बक्फ बोर्ड के अधिवक्ता रमेश गुप्ता ने केंद्र के तर्क पर आपत्ति जताते हुए सवाल उठाया कि राजधानी में कई धार्मिक स्थलों के बाहर लंबी लाईने लगी हुई है लेकिन उन पर डीडीएमए का आदेश लागू नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि डीडीएमए के आदेश मात्र एक ही समुदाय पर ही क्यों लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अदातल ने कल ही 50 लोगों को नमाज की इजाजत दी थी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली में कोरोनोवायरस की वर्तमान लहर के बारे में तैयारियों पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

किसान आंदोलन को एक और झटका, जीटी रोड पर प्रदर्शनकारियों के टेंट में भीषण आग

नई दिल्ली/सोनीपत । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में बैठे किसान प्रदर्शनकारियों को एक के एक झटके लगते जा रहे हैं। एक ओर जहां लगातार प्रदर्शनकारी घट रहे हैं, वहीं दूसरी और बृहस्पतिवार को जीटी रोड पर अचानक आंदोलनकारियों के टेंट में भीषण आग लग गई। जागरण संवाददाता से मिली जानकारी के मुताबिक, इस भीषण आग मे तीन टेंट पूरी तरह से जल गए। वहीं, सूचना पर पहुंची अग्निशमन की गाड़ियों ने आग पर क़ाबू पाया। बताया जा रहा है कि इसमें कोई जन हानि नहीं हुई है।

उधर, तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों की जंग भले ही फीकी पड़ती नजर आ रही हो, लेकिन उनके तेवर बरकरार हैं। उधर, कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर मांडौठी टोल प्लाजा को पुलिस-प्रशासन की ओर से मंगलवार को चालू कराने से भी किसान नाराज हैं। इतना ही नहीं, 24 घंटे के भीतर किसानों ने जोर जबरदस्ती दोनों टोल प्लाजा को दोबारा बंद करवा दिया। दरअसल, किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने वीडियो जारी कर इस टोल को दोबारा बंद कराने का आह्वान किया था। इस पर आंदोलनकारी बुधवार दोपहर 12 बजे यहां पहुंच गए। इसके बाद टोल की वसूली फिर से बंद करवा दी गई। यह अलग बात है कि इस दौरान यहां पर पुलिस बल तैनात था। एसडीएम और डीएसपी भी पहुंच गए, लेकिन आंदोलनकारियों को नहीं छेड़ा गया। बुधवार शाम तक टोल प्लाजा पर आंदोलनकारी जमे थे और दूसरी तरफ कुछ कदम पर पुलिस-प्रशासन का अमला। दोनों तरफ से एक-दूसरे की यहां से वापसी का इंतजार होता रहा। इससे पहले आंदोलनकारी टोल प्लाजा पर झंडे लेकर पहुंचे तो नारेबाजी शुरू कर दी गई।

आंदोलनकारियों का नेतृत्व कर रहे लोगों ने कहा कि वे किसी से झगड़ा करने के लिए नहीं आए, लेकिन जब तक आंदोलन चलेगा, तब तक वे टोल चालू नहीं होने देंगे। वहीं, गुरनाम सह चढ़ूनी ने बुधवार सुबह एक वीडियो जारी करके मांडौठी टोल को फिर से बंद कराने की अपील की थी। कहा था कि मांडौठी टोल को मंगलवार को पुलिस-प्रशासन ने चालू करवा दिया है।

गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने आसपास व टीकरी बॉर्डर पर बैठे आंदोलनकारियों के साथ ही खुद के संगठन के लोगों से भी इस टोल पर पहुंचकर दोबारा से बंद कराने की अपील की थी। किसी तरह का झगड़ा न करने का आह्वान भी किया था। इसके बाद उनकी यूनियन से महिला नेत्री सुमन हुड्डा व अन्य आंदोलनकारी मांडौठी टोल पर पहुंचे और इसे दोबारा से बंद करवा दिया। टोल को बंद कराने के बाद पुलिस की ओर से एचएसआइआइडीसी (हरियाणा राज्य औद्योगिक संरचना एवं विकास निगम) की शिकायत पर आंदोलनकारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। एसडीएम हितेंद्र कुमार ने बताया कि वरिष्ठ प्रबंधक प्रेम की ओर से इस बारे में टोल को जबरन बंद कराने के आरोप में शिकायत दी गई है।

मंगवलार को पिपली टोल पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष सत्यवान नरवाल ने कहा था कि संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर प्रदेश के टोल फ्री करवाए गए थे, लेकिन सरकार केजीपी-केएमपी के टोल शुरू करवा दिए हैं, जिससे किसानों और प्रशासन में टकराव की संभावना बन गई है।

धरना स्थलों पर तेजी से गायब हो रही रौनक, रंगत भी पड़ी फीकी; वापस लौटने लगे पंजाब के किसान

नई दिल्ली । तीनों कृषि कानूनों को पूरी तरह से वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली के चारों बॉर्डर (टीकरी, सिंघु, शाहजहांपुर और गाजीपुर) पर किसानों का धरना सिर्फ कहने के लिए जारी है। इन चारों बॉर्डर पर न तो पहले सी रौनक है और न ही रंगत की रह गई है। आलम यह है कि हजारों प्रदर्शनकारी अब सैकड़ों की संख्या में सिमट गए हैं। कहीं कहीं तो टेंट और प्रदर्शनकारियों का अनुपात तकरीबन बराबर हो गया है।

तेजी से पंजाब लौट रहे प्रदर्शनकारी

दिल्ली से सटे सिंघु और टीकरी बॉर्डर पर 28 नवंबर से जमा किसान प्रदर्शनकारियों की संख्या तेजी से घट रही है। अब तो आलम यह है कि रोजाना किसान प्रदर्शनकारी पंजाब लौट रहे हैं। वहीं, हरियाणा से आए किसान तो तकरीबन वापस ही लौट चुके हैं।

सुविधाओं में कमी ने किया निराश- सुख सुविधाएं कम होने की वजह से कृषि कानून विरोधी प्रदर्शनकारियों का सिंघु बॉर्डर छोड़कर पंजाब जाना जारी है। इस वजह से सिंघु बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। दैनिक जागरण ने पिछले दिनों ही खुलासा किया था कि सभी बॉर्डर पर हो रही विदेशी फंडिंग कम पड़ गई है। ऐसे में सुख-सुविधाएं भी कम हो गई हैं और किसान अपने प्रदेश जाना शुरू हो गए हैं।

धरना स्थल पर पसरा सन्नाटा

संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन को लेकर कुछ भी दावे करे, लेकिन सच्चाई तो यही है कि किसान प्रदर्शनकारी अब निराश होने लगे हैं। इसकी बानगी यहां पर देखने को भी मिल रही है। आलम यह है कि अब धरना स्थल के साथ ही लंगर स्थल पर भी सन्नाटा पसर गया है। सिंघु बॉर्डर पर भी नाम मात्र को प्रदर्शनकारी जमा हैं।

नरेला रोड पर न तो कोई प्रदर्शनकारी नजर आता है और न ही कोई तमाशबीन। अगर इसी तरह प्रदर्शनकारियों की संख्या घटती रही तो महीने के अंत तक यहां नाम मात्र के लोग ही बचेंगे। हालांकि कुछ प्रदर्शनकारी हैं जो अभी भी कृषि कानूनों को रद करवाने के लिए जिद लगाकर बैठे हुए हैं, जबकि दिल्ली के किसान इन कानूनों के लागू होने का इंतजार कर रहे हैं। दिल्ली की सीमा में टेंट लगाकर बैठे प्रदर्शनकारी अब सिर्फ आसपास के लोगों को परेशान कर रहे हैं।

बता दें कि सिंघु बॉर्डर पर 28 नवंबर से ही किसान मजदूर संघर्ष कमेटी (पंजाब) की ओर से धरना दिया जा रहा है। इस कमेटी के अध्यक्ष सतनाम सिंह पन्नू हैं और महासचिव सरवन सिंह पंधेर। कमेटी के साथ केवल पंजाब के लोग ही हैं, लेकिन हरियाणा या दिल्ली के लोग इनके साथ नहीं हैं। ऐसे मेंदिल्ली या हरियाणा से नाममात्र के ही लोग यहां पहुंचते हैं। वह भी मंच से संबोधित कर वापस चले जाते हैं। किसान प्रदर्शकारी भी भाषण सुनने में रुचि नहीं दिखाते हैं।

संपादकीय

महामारी की रात में कर्फ्यू के मायने

यह बात पिछले साल 14 अक्तूबर की है। कोरोना वायरस संक्रमण के तेज प्रसार और उसकी वजह से मरने वालों की बढ़ती संख्या को देखते हुए फ्रांस ने तय किया कि वह पेरिस और आस-पास के इलाके में रात का कर्फ्यू लगाएगा। संक्रमण रोकने का काम ढीले-ढाले लॉकडाउन के हवाले था, इसलिए लगा कि रात्रिकालीन कर्फ्यू से शायद कुछ बड़ा हासिल किया जा सकेगा। पेरिस जिस तरह का शहर है और पश्चिमी देशों में जैसी संस्कृति है, उसके चलते यह कर्फ्यू अर्थपूर्ण भी लग रहा था।

वहां लोग दिन भर अपने काम-धंधे में जुटते हैं, जबकि शाम का समय मौज-मस्ती और मनोरंजन का होता है। लोग पार्टी करते हैं, नाइट क्लब, बार, थिएटर वगैरह में जाते हैं। ऐसी जगहों पर भारी भीड़ भी जुटती है और लगातार रिपोर्टें मिल रही थीं कि थोड़ी ही देर बाद वहां न लोगों को मास्क लगाने का ख्याल रहता है और न ही सामाजिक दूरी का कोई अर्थ रह जाता है। कहा जा रहा था कि ये जगहें कभी भी कोरोना संक्रमण की 'हॉट-स्पॉट' बन सकती हैं, या शायद बन भी चुकी हैं। ऐसे में, रात का कर्फ्यू दिन भर लगने वाली पाबंदी से ज्यादा बेहतर था। तब तक यह समझ में आ चुका था कि दिन भर की पाबंदियां संक्रमण तो नहीं रोकतीं, अलबत्ता अर्थव्यवस्था को जरूर ध्वस्त कर देती हैं। अर्थव्यवस्था पहले ही बुरी हालत में पहुंच चुकी थी, इसलिए रात के कर्फ्यू में समझदारी दिखाई दे रही थी।

ऐसा भी नहीं है कि रात के कर्फ्यू का यह पहला प्रयोग था। ऐसे कर्फ्यू दुनिया भर में लगते रहे हैं। दूर क्यों जाएं, भारत में ही तनावपूर्ण हालात में कई जगहों पर रात का कर्फ्यू लगाया जाता रहा है। एक समय वह था, जब ऑस्ट्रेलिया में रात को होने वाले अपराधों की वजह से वहां रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाया गया था। लेकिन यह पहली बार हुआ, जब किसी महामारी को रोकने के लिए रात के कर्फ्यू का इस्तेमाल हो रहा था। जल्द ही फ्रांस में इसमें एक नई चीज जोड़ दी गई। जब रात की मस्ती को सरकार ने छीन लिया, तो पाया गया कि शाम ढले अपने-अपने घर में बंद हो जाने वाले लोग शनिवार-रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के दौरान समुद्र तटों पर भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। वहां भी जब संक्रमण के नए हॉट-स्पॉट की आशंका दिखी, तो 'वीकेंड कर्फ्यू' लागू कर दिया गया। इस तरह के सारे कर्फ्यू की आलोचना भी हुई और संक्रमण रोकने में वह कितना कारगर है, यह भी विवाद के घेरे में रहा। यह भी कहा गया कि किसी वायरस को आप सरकारी पाबंदियों और प्रशासनिक सख्ती से नहीं रोक सकते। जब पेरिस के बाजार रात नौ बजे बंद होने लगे, तब पाया गया कि शाम सात-आठ बजे के आसपास बाजार में भीड़ अचानक बढ़ने लग जाती है। तब एक साथ महामारी के प्रसार और अर्थव्यवस्था के संकुचन से जूझ रही दुनिया को फ्रांस की इस कोशिश में उम्मीद की एक किरण दिखाई दी। एक के बाद एक कई देशों ने इसे अपनाया। रात का कर्फ्यू जल्द ही इटली, स्पेन, ब्रिटेन और जर्मनी होता हुआ अमेरिका के कई शहरों तक पहुंच गया।

कोरोना संक्रमण में हम अभी तक यही समझ सके हैं कि इसका ग्राफ तेजी से ऊपर बढ़ता है और एक बुलंदी तक जाने के बाद उतनी ही तेजी से नीचे आने लगता है। इसलिए हम ठीक तरह से या पूरे दावे से यह नहीं कह सकते कि बाद में इस संक्रमण पर जो कथित नियंत्रण हासिल हुआ, वह वास्तव में था क्या? वह 'ट्रेस, टेस्ट ऐंड आइसोलेट', यानी जांच, संपर्कों की तलाश और उन्हें अलग-थलग करने की रणनीति का परिणाम था या उस सतर्कता का, जो आतंक के उस दौर में लोगों ने बरतनी शुरू कर दी थी? इसी तरह, यह स्वास्थ्य सेवाओं की सक्रियता का नतीजा था या फिर उस कर्फ्यू का, जिसका मकसद था, जरूरत से ज्यादा लोगों के एक जगह जमा होने पर रोक लगाना? इनका जवाब हम ठीक से नहीं जानते, इसलिए थोड़ा श्रेय कर्फ्यू को भी दिया ही जाना चाहिए, और दिया भी गया। ठीक यहीं हमारे सामने भारत में लागू वह 68 दिनों का लॉकडाउन भी है, जिसे दुनिया का सबसे सख्त लॉकडाउन कहा जाता है, और वह संक्रमण का विस्तार रोकने में नाकाम रहा था। अब जब कोरोना वायरस ने भारत पर पहले से भी बड़ा हमला बोला है, तब रात का कर्फ्यू हमारे देश के दरवाजे भी खटखटा रहा है। इस नए संक्रमण से जब सरकारों की नींद खुली है, तो उन्हें भी रात के कर्फ्यू में ही एकमात्र सहारा दिखाई दे रहा है। लॉकडाउन की तरह से इसमें आर्थिक जोखिम कम हैं, इसलिए अदालतें भी इसी की सिफारिश कर रही हैं। रात के कर्फ्यू के साथ ही 'वीकेंड लॉकडाउन' भी भारत पहुंच गया है।

निराशा के कर्तव्य की तरह एक-एक करके सारे राज्य इन्हें अपनाते जा रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि जिस 'नाइट लाइफ' को नियंत्रित करने के लिए रात के कर्फ्यू की शुरुआत हुई थी, वह जीवनशैली तो भारत में सिरे से गायब है। लोग जहां रात को भारी संख्या में जमा होते हों, ऐसे आयोजन भारत में बहुत कम होते हैं। ऐसा या तो बड़ी शादियों में होता है या फिर देवी जागरण जैसे आयोजनों में, फिलहाल इन दोनों ही तरह के बड़े आयोजन बंद हैं। इसलिए यह बहुत स्पष्ट नहीं हो रहा है कि रात के कर्फ्यू से वायरस पर निशाना कैसे सधेगा? हमारे यहां राजनीतिक रैलियों और मेलों जैसे कई आयोजन ज्यादा बड़े होते हैं, जिनमें भारी भीड़ जुटती है। यह बात अलग है कि अभी तक इनके जरिए संक्रमण फैलने की कोई बात सामने नहीं आई है, लेकिन इनके निरापद होने की भी कोई गारंटी नहीं है। इसलिए संकट से निपटने के हमें अपने तरीके खोजने होंगे। पश्चिम की दवाइयां भले ही काम आ जाएं, लेकिन उसके सामाजिक तरीके शायद हमारे लिए उतने कारगर नहीं होंगे।

प्रवीण कुमार सिंह

बाजार के शिकंजे में स्कूली शिक्षा, निजी शिक्षण व्यवस्था में मनमानी पर रोक के उपाय

> इस प्रकार आज शिक्षा का गैर शैक्षणिक उदेश्य हावी होता जा रहा है। यह मध्यम वर्ग के लोगों के लिए तो हैसियत से बाहर है।निजी शिक्षण संस्थानों के धन उगाही के केंद्र बनते जाने के बाद एक विकल्प यह है कि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया जाना चाहिए, ताकि वहां गुणवत्तायुक्त निशुल्क शिक्षा प्राप्त की जा सके। दिल्ली, राजस्थान आदि में सरकारी विद्यालयों में सुधार के काफी तेज प्रयास हुए हैं। सबके लिए विकास की समान अवधारणा की भांति सबको एकसमान पढ़ने और आगे बढ़ने का मौका मिलना ही चाहिए। यह विडंबना ही है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सीखने के वे अवसर नहीं हासिल हैं, जो निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों को हासिल हैं।

वर्तमान में हमारे देश में विद्यालयी शिक्षा के लिए निजी और सरकारी दोनों तरह के शैक्षणिक संस्थान हैं। हालांकि स्वतंत्रता के बाद समग्र शिक्षा व्यवस्था का सरकारीकरण किया गया। एक समय में शैक्षिक संस्थाएं या तो सीधे तौर पर सरकार चलाती थी या सरकार के अनुदान से ये संस्थाएं चलती थीं। विद्यार्थियों का शुल्क, शिक्षकों का वेतन एवं संस्था चलाने हेतु अनुदान जैसी व्यवस्थाएं बनाई गईं। कालांतर में इस संदर्भ में उदासीनता, बदलाव के इरादे से या किन्हीं और वजहों से सरकारें शिक्षा की जिम्मेदारी से मुक्ति की राह तलाशने लगीं, लिहाजा निजी शिक्षण संस्थानों की कवायद शुरू हुई। वर्ष 1990 के आते आते निजी शिक्षण संस्थान खोलने के लिए उपयुक्त मैदान तैयार हो गया। परिणामस्वरूप निजीकरण सरकारी शिक्षा तंत्र का विकल्प बन गया, जिसका उपयोग लोग अपने बच्चों के लिए पैसे देकर कर सकते थे। हालांकि यह सबके लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुलभ कराने के लिए तो सही कदम था, लेकिन इसका एक बड़ा प्रभाव यह हुआ कि समाज के समर्थ तबके का कोई हित सरकारी शिक्षा तंत्र में निहित नहीं रह गया। अत: वह तेजी से ढलान के रास्ते पर चलने लगा और उसकी खाली की गई जगह को बढ़ता शिक्षा का बाजार भरने लगा।

शुरुआती दौर में उन लोगों ने शिक्षा संस्थान खोलने में रुचि दिखाई, जो वास्तव में शिक्षा के क्षेत्र में कुछ करना चाहते थे, लेकिन बाद में वे लोग भी इसमें शामिल हो गए जिनका उद्देश्य शिक्षा की आड़ में केवल मुनाफा कमाना था। और इसी वजह से बीतते समय के साथ शिक्षण संस्थानों ने अधिक से अधिक पैसे कमाने को लेकर अपनी पैठ को इतना खराब कर दिया है कि शिक्षा और शिक्षण इनका प्रमुख लक्ष्य नहीं रहा। आज स्थिति यह है कि शिक्षा को व्यवसाय बना दिया गया है और शिक्षण को बाजारीकरण। विडंबना

यह भी कि लोगों को इससे निकलने का कोई रास्ता नहीं दिखाई दे रहा है।

हालांकि निजी शिक्षण संस्थानों के फलने फूलने का एक बड़ा कारण यह भी है कि सरकारी शिक्षण संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं, शिक्षण सामग्री, शिक्षकों की कमी व गुणवत्ता के प्रति शासकीय गंभीरता नहीं होने से ये मध्यम और उच्च वर्ग को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर पाए हैं। या फिर यह भी कहा जा सकता है कि निजी शिक्षण संस्थानों ने इन तथ्यों को समझते हुए शिक्षण सामग्री की गुणवत्ता को अपने स्तर से बढ़ाते हुए मध्य उच्च वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाबी पाई।चूंकि अभिभावकों की पहली प्राथमिकता सुविधाएं और गुणवत्ता ही होती हैं और ये दोनों काम निजी शिक्षण संस्थान उस दौर में संजीदगी से कर रहे थे, जिससे लोगों का इसके प्रति आकर्षण बढ़ा। कालांतर में इन्होंने इसी का फायदा उठाना शुरू कर दिया और शिक्षा को बाजार में खरीदने-बेचने की वस्तु बना दिया गया। परिवेश कुछ इस तरह से बनता गया कि जिसके पास पैसा हो वह शिक्षा खरीदे, न हो तो बिना शिक्षा के रहे या जहां कुछ मुफ्त में मिल रही हो वहां से प्राप्त कर ले। यही कारण है कि सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान आर्थिक रूप से बंटे हुए समाज का आईना दिखाते हैं। सरकारी विद्यालय केवल गरीब बच्चों के लिए रह गए हैं और निजी उच्च शिक्षण संस्थान अमीरों के लिए। बहरहाल, देशभर में तमाम निजी शिक्षण संस्थानों के बड़े बड़े और शानदार भवन खड़े हैं। इनमें बच्चों को पढ़ाने के लिए भारी भरकम फीस तो चुकानी ही पड़ती है, साथ ही कई तरह के अन्य शुल्क भी वसूले जाते हैं। अब चूंकि पिछड़े तबके के लोग अपने बच्चों को ऐसे शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने में समर्थ नहीं थे, तो अमूमन उच्च आय वर्ग के लोग ही अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में पढ़ाने के लिए भेजते थे, तो ऐसे स्कूलों की फीस स्वाभाविक तौर पर अभिभावकों की आमदनी के हिसाब से अधिक रखी जाती थी। धीरे धीरे छूट का प्रलोभन देकर मध्यम वर्ग को निजी शिक्षण संस्थानों ने अपनी तरफ आकर्षित करना शुरू किया। कुछ साल तक तो यह सब ठीक-ठाक चलता रहा और केवल फीस का ही मामला था। यानी यहां तक केवल स्कूल की फीस ही ली जाती थी। अब जब बड़े बड़े धन कुबेर और दूसरे बाजारी लोगों ने शिक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया, तो इन स्कूलों में शिक्षण सामग्री को महंगे दामों में बेचना शुरू कर दिया गया, जैसे स्कूल यूनिफॉर्म, अभ्यास पुस्तिकाएं, किताबें और बैग समेत तमाम किस्म के स्टेशनरी आदि समस्त सामग्री स्कूल से ही खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य किया जाने लगा है।बड़ी संख्या में गांवों तक फैल चुके निजी शिक्षण संस्थान भी इससे अछूते नहीं हैं। इन शिक्षण संस्थानों में पैसे कमाने का लालच इस कदर छाया है कि स्कूल यूनिफॉर्म भी स्कूल से ही खरीदने को कहा जाता है। हद तो देखिए कि कोई अभिभावक बाहर से बच्चों की यूनिफॉर्म न खरीद ले, इसके लिए ऐसे स्कूल अपने संस्थान के नाम शर्ट के बटन तक पर प्रिंट करा लेते हैं, ताकि बाहर से खरीदी यूनिफॉर्म में भिन्नता नजर आए और अभिभावकों को स्कूल से यूनिफार्म लेने के लिए तैयार किया जाए। लेकिन मामला केवल यूनिफार्म स्कूल से खरीदने तक का नहीं है, यूनिफार्म के दाम भी बाजार के मुकाबले दोगुने या मनमाने रखे जाते हैं। इसके अलावा, एलकेजी से लेकर आठवीं कक्षा तक की किताबों और कॉपियों के कवर पर संस्थान अपना नाम प्रिंट कर अभिभावकों को बेचते हैं। प्रत्येक किताब अलग-अलग प्रकाशनों से प्रकाशित होती हैं, ताकि कोई भी अभिभावक पूरी किताबें बाहर से खरीद न पाएं। और फिर इनके दाम भी बहुत अधिक रखे जाते हैं। वैसे भी निजी प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली किताबों के मूल्य निर्धारण की कोई सीमा नहीं है।

बदलते तकनीक के साथ कई स्कूलों में टैबलेट से पढ़ाई शुरू हुई, तो कई अपने स्तर पर एक ही कंपनी के टैबलेट अभिभावकों को बेचने लगे। इस तरह अधिकांश प्राइवेट स्कूल फीस, ट्यूशन फीस और तरह-तरह के अन्य शुल्क के साथ ही पाठ्य सामग्री व यूनिफॉर्म के दाम मिलाकर सालाना लाखों रुपये वसूल लेते हैं। वर्तमान शिक्षा में बाजार में बिकने वाली दक्षताओं का बोलबाला कायम होने लगा है और उसके सामाजिक व मानवीय जैसे कई पहलू लुप्त हो रहे हैं। ऐसी शिक्षा एक स्वचेता मानव के विकास में मदद करने के बजाय पूंजीवाद के एक उपकरण का निर्माण करने लगती है। इस प्रकार आज शिक्षा का गैर शैक्षणिक उदेश्य हावी होता जा रहा है। यह मध्यम वर्ग के लोगों के लिए तो हैसियत से बाहर है।निजी शिक्षण संस्थानों के धन उगाही के केंद्र बनते जाने के बाद एक विकल्प यह है कि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया जाना चाहिए, ताकि वहां गुणवत्तायुक्त निशुल्क शिक्षा प्राप्त की जा सके। दिल्ली, राजस्थान आदि में सरकारी विद्यालयों में सुधार के काफी तेज प्रयास हुए हैं। सबके लिए विकास की समान अवधारणा की भांति सबको एकसमान पढ़ने और आगे बढ़ने का मौका मिलना ही चाहिए। यह विडंबना ही है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सीखने के वे अवसर नहीं हासिल हैं, जो निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों को हासिल हैं।

अब जाकर दिखी तेजी

रेकॉर्ड संख्या में आ रहे कोरोना के नए मामलों के बीच देश के कई हिस्सों में टीकों की तंगी की शिकायतें आने लगी हैं। महाराष्ट्र और ओडिशा सहित कई राज्यों में टीकाकरण केंद्र बंद करने पड़े। कोविड महामारी को आए सालभर से अधिक समय हो गया। ऐसा लग रहा है कि टीके उपलब्ध कराने के ठोस उपाय करने में किसी न किसी स्तर पर सुस्ती बरती गई, जिसका नतीजा अब दिख रहा है। महामारी का जोर बढ़ने के साथ ही कई देशों ने वैक्सीन के मोर्चे पर कदम बढ़ा दिए थे। अमेरिका ने एक साथ कई कंपनियों को पैसे दिए ताकि वे तेजी से रिसर्च कर सकें। टीका अभी तैयार भी नहीं हुआ था कि पिछले साल जुलाई में ही उसने फाइजर से करीब दो अरब डॉलर में 10 करोड़ डोज खरीदने का करार कर लिया। कई दूसरी कंपनियों से भी उसने इसी तरह के करार कर लिए थे उन्हीं दिनों। नवंबर तक ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने भी इसी तरह के कदम उठा लिए थे। रूस ने रशियन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड से वैक्सीन रिसर्च की फंडिंग की।

इधर दुनिया में टीके बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया है भारत में, लेकिन हाल यह रहा कि उससे पहले तो बात की गई शुरुआती 10 करोड़ डोज के सस्ते दाम पर। और फिर लंबे इंतजार के बाद इस साल जनवरी के दूसरे हफ्ते में टीके खरीदने का करार किया गया। वह भी केवल एक करोड़ 10 लाख डोज के लिए। एस्ट्राजेनेका का जो कोविशील्ड टीका सीरम बना रही है, उसके एक अरब डोज के लिए एस्ट्राजेनेका ने पिछले साल मई में ही सीरम से डील कर ली थी। भारत में सरकारी मशीनरी किस बात का इंतजार कर रही थी? हाल यह है कि अभी सीरम और भारत बायोटेक मिलकर भी करीब सात करोड़ डोज ही बना पा रही हैं हर महीने। इस मामले में अमेरिका से सबक लेना चाहिए। अमेरिका ने जनहित में टैक्सपेयर का पैसा दिया प्राइवेट कंपनियों को रिसर्च करने के लिए। वहीं वह उनका पहला ग्राहक भी बना।

इससे कंपनियों के सामने शोध और उत्पादन के मामले में कोई दुविधा नहीं रही। भारत सरकार ने अब विदेश में बने और वहां इस्तेमाल हो रहे टीकों को मंजूरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्णय किया है। रूस में बनी स्पूतनिक ङ्क वैक्सीन के आपात उपयोग की मंजूरी दी गई। देर तो हुई, लेकिन ये सही कदम है। भारत बायोटेक और ढ्ढष्टरूक्र ने मिलकर कोवैक्सीन के मामले में अच्छा काम किया। इस दिशा में और आगे बढ़ना चाहिए। सरकार को प्राइवेट कंपनियों को अग्रिम भुगतान कर साफ कर देना चाहिए कि कितने टीके चाहिए और किस भाव पर। इससे उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। नवंबर में मंजूर किए गए 900 करोड़ रुपये के कोविड सुरक्षा फंड से एक भी किस्त जारी नहीं हुई है। कंपनियों को इसके जरिए जल्द मदद दी जाए। अभी एक फीसदी से भी कम लोगों को लग सका है टीका। साफ है कि चुनौती बड़ी है और जरूरत तेजी से सही फैसले करने की है।

सनातन धर्म का आशय केवल हिंदू धर्म से नहीं, बल्कि उसमें बौद्ध, जैन और सिख धर्म भी समाहित हैं

धर्म एवं संस्कृति पर प्राय: होने वाली बहस में यह भुला दिया जाता है कि भारत की पहचान सदा से धर्म एवं संस्कृति ही रही है। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां धर्म संस्कृति का आधार है, वहीं संस्कृति धर्म की संवाहिका है। दोनों ही अपने-अपने परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र के निर्माण एवं राष्ट्रीयता के संरक्षण में सहायक सिद्ध होते हैं। जहां धर्म अपनी स्वाभाविकता के साथ सामाजिक परिवेश का आधार बनता है, वहीं संस्कृति सामाजिक मूल्यों का स्थायी निर्माण करती है। कहना अप्रासंगिक नहीं होगा कि धर्म का सूत्र मानव के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करता है तो वहीं संस्कृति मानवीय संवेदनाओं को सामाजिक सरोकार से जोड़ती है। इस तरह धर्म कालांतर में संस्कृति का रक्षण करता है और संस्कृति धर्म के आधार का उन्नयन करती है। जहां धर्म हमारे सर्वस्व का प्रतीक रहा है तो वहीं संस्कृति हमारी स्वाभाविक जीवनशैली की वाहिका रही है। दोनों ने ही भारतीय मूल्यों को जीवंत रखा है और संसार में इसी कारण से भारत का मान-सम्मान रहा है। प्राचीन समय में धर्म एक नागरिक के जीवन के उद्देश्यों का आधार था। धर्म मात्र प्रतीक नहीं होकर समग्र चेतना का स्तंभ था। परिणामस्वरूप भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं नैतिक व्यवस्था मजबूत थी। इस तरह भारतीय का जीवन शांत एवं सुखी था। तब संस्कृति, भारतीयता को परिभाषित करती थी और भारत की सारी व्यवस्थाएं संस्कृति पर आधारित थीं। संस्कृति का सौरभ ही हमारे राष्ट्र का सौरभ था। इस तरह से हमारी पारिवारिक एवं सामयिक पृष्ठभूमि निरंतर विकसित होती गई। हमारे वैचारिक दृष्टिकोण का ताना-बाना हमारी संस्कृति पर ही आधारित था और हमारा संपूर्ण जीवन उन्नति के चरम पर पहुंचता रहा। धीरे-धीरे हमारी धार्मिक मान्यताएं और स्थिर होती गईं और संस्कृति का क्रमिक विकास होता गया। कहना गलत नहीं होगा कि धर्म और संस्कृति ने मिलकर हमारी भारतीयता को विकसित किया। यह भारतीय धर्म की विशेषता रही है कि वह जटिलताओं में जकड़ा न रहा और सतत चिंतन की अवधारणा को विकसित होने में सहायक सिद्ध हुआ, जिसके कारण अनेक भारतीय धर्मों का उदय हुआ। बौद्ध, जैन एवं बाद में सिख धर्म ने अपनी चिंतनशैली को विकसित किया, परंतु मूल में सनातन धर्म ही रहा।

सनातन धर्म का आशय हिंदू धर्म मात्र से नहीं, बल्कि बौद्ध, जैन, सिख धर्म से भी है। भगवान बुद्ध एवं महावीर ने सनातन धर्म के संस्कार में ही जन्म लिया और इस तरह उन्होंने अपने चिंतन को स्वतंत्र स्वरूप प्रदान कर नई धीमिक व्यवस्था का निर्माण किया। भगवान बुद्ध ने सनातन धर्म के अनेक पहलुओं में परिपक्वता प्रदान की और उनमें व्याप्त कुंठित व्यवहारों और विचारों से मुक्त होकर भारतीय धर्म को मजबूत किया। उन्होंने धर्म की स्वतंत्र व्याख्या अवश्य की, पर मूल में उसके सांस्कृतिक चिंतन को सर्वोच्च स्थान दिया। भारतीय मानसिकता को धर्म की वास्तविकता से संयुक्त किया और हर वर्ग को धर्म से होने वाले लाभ को सुनिश्चित किया। भारतीय मूल दर्शन सनातन धर्म को दर्शाते हैं और इस तरह हिंदू, बौद्ध, जैन एवं सिख धर्म उस व्यवस्था को मजबूत करते हैं। यद्यपि इन धर्मों को अपने-अपने परिवेश में विकसित होने में धार्मिक स्वतंत्रता अवश्य रही, परंतु सांस्कृतिक एकता बनी रही। भारतीय संस्कृति के समग्र विकास में भारत के सभी धर्मों ने अपना-अपना योगदान दिया। इस प्रकार भारत की सामाजिक व्यवस्था धार्मिक एवं सांस्कृतिक होते हुए भी वैज्ञानिक विचारों को हमेशा आत्मसात करती रही। विकास की नई संभावनाओं को संबल प्रदान करती रही। धर्म के मार्गदर्शन में ही भारतीय चिंतन व्यवस्था पनपी और कालांतर में विश्व की चिंतन व्यवस्थाओं और मान्यताओं को प्रभावित करती रही। परिणामस्वरूप भारत धर्म गुरु के रूप में स्थापित हुआ और इस तरह भारत का संबंध विश्व में प्रभावी रूप से कायम हुआ। भारत में धार्मिक दृष्टिकोण तो प्रचलित हुआ ही, साथ ही राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को भी पनपने और विकसित होने में सफलता मिली। विश्व के अनेक देशों के साथ कई एशियाई देशों से विशेष रूप से हमारा संबंध प्रगाढ़ बना और भारतीय धर्म एवं संस्कृति का भी सम्यक विकास हुआ। आज उन देशों में भारतीय धर्म एवं संस्कृति की विरासत पूरी तरह संरक्षित है, जो इस बात को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है कि भारतीय धर्म एवं संस्कृति किसी भी देश अथवा वर्ग की मान्यताओं को समाप्त नहीं करती, बल्कि उनका परिमार्जन करती है। आज हम पाते हैं कि भारतीय चिंतन पर आधारिक अनेक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्थाएं दुनिया के विभिन्न हिस्सों में स्थापित होकर काम कर रही हैं। वे हमारी विरासत का संरक्षण ही कर रही हैं। भाषा के मामले में भी देखें तो भारतीय भाषाओं ने विश्व की भाषाओं को प्रभावित किया और कई विदेशी भाषाओं के निर्माण में भारतीय भाषाओं ने योगदान दिया। एशियाई देशों की अधिकतर भाषाएं संस्कृत, पालि एवं प्राकृत पर आधारित हैं। इस तरह इन भाषाओं से विकसित विदेशी भाषाओं से भारतीय दर्शन एवं संस्कृति का सहज ही ज्ञान परिलक्षित होता है। भारतीय भाषाविदों, धार्मिक गुरुओं एवं संस्कृति को पोषित करने वाले व्यक्तियों ने विश्व में अपनी पहचान बनाकर भारत की गरिमा को हमेशा गौरव प्रदान किया। अनेक लोग भारतीय धर्म एवं संस्कृति के माध्यम से आज भी निरंतर सक्रिय हैं। आवश्यकता इसकी है कि भारतीय धर्म एवं संस्कृति के विभिन्न आयामों को आधुनिक परिवेश में परिभाषित किया जाए और इन क्षेत्रों में काम कर रहे लोगों को सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जाना

पाक आर्थिक दुश्वारियां झेलने को तैयार, लेकिन भारत के प्रति शत्रुता भाव छोड़ना मंजूर नहीं

> तमाम पाकिस्तानी आर्थिक दुश्वारियां झेलने को तो तैयार हैं, मगर भारत के प्रति शत्रुता भाव छोड़ना उन्हें मंजूर नहीं। इस दुश्मनी की जड़ें उसी द्विराष्ट्र सिद्धांत से जुड़ीं हैं जिस आधार पर पाकिस्तान बना। पाकिस्तान के साथ शांति के अवसरों की तलाश में भारतीय नीति निर्माताओं को यह ध्यान रखना होगा। फिलहाल उन्हें सतर्क रहना होगा कि बाजवा और इमरान को शर्मिंदा करने के साथ ही भारत को प्रतिक्रिया व्यक्त करने पर मजबूर करने के लिए वहां का सैन्य-सियासी वर्ग किसी दुस्साहस को अंजाम देने में सफल न होने पाए।

पाकिस्तानी वित्तमंत्री हम्माद अजहर के नेतृत्व वाली उच्च अधिकार प्राप्त आर्थिक समन्वय समिति ने गत 31 मार्च को भारत से कपास एवं चीनी के आयात को हरी झंडी दिखाई। वाणिज्य मंत्रालय की सिफारिश पर ही समिति ने यह अनुमति प्रदान की। इसमें पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की सहमति भी थी। फिलहाल पाकिस्तान कपास उत्पादन में भारी कमी से जूझ रहा है। वहां कपड़ा उद्योग पर इसकी तगड़ी मार पड़ रही है। इस कारण उसे किफायती दर पर तत्काल कपास चाहिए। ऐसी आपूर्ति केवल भारत से ही संभव है। पाकिस्तान में चीनी की भी भारी किल्लत बनी हुई है। मध्य अप्रैल से रमजान का महीना शुरू होने वाला है। इस दौरान चीनी की खपत खासी बढ़ जाती है। इससे कीमतें बढ़ेंगी जिससे आम आदमी का बजट बिगड़ेगा। ऐसे में समिति का फैसला तार्किक आधार पर एकदम दुरुस्त था। यह दोनों देशों के बीच बेहतर हो रही उन भावनाओं के अनुरूप ही था, जिसमें 24 फरवरी को सीमा पर संघर्षविराम और तनाव घटाने को लेकर सहमति बनी थी।

यहां तक सब ठीक था, परंतु एक अप्रैल को पाकिस्तानी कैबिनेट ने उक्त समिति का फैसला पलट दिया। उसने एक उप-समिति गठित करके तय किया कि यही भारत के साथ व्यापार संबंधी मामलों को देखेगी। पाकिस्तानी कैबिनेट ने यह भी दोहराया कि भारत द्वारा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर में किए गए संवैधानिक बदलाव के विरोध में पाकिस्तान उसके साथ व्यापारिक रिश्तों को ठंडे बस्ते में ही रखेगा। हालांकि बाद में उसने भारत से

जीवन रक्षक दवाओं और अन्य औषधियों के आयात की ही अनुमति दी। वास्तव में आर्थिक समन्वय समिति के फैसले को पलटकर इमरान खान अपने मंत्रियों के दबाव के आगे झुक गए। इनमें विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, मानव संसाधन विकास मंत्री शीरीन मजारी, रेल मंत्री शेख राशिद और नियोजन मंत्री असद उमर जैसे नाम शामिल हैं। भारत के साथ तनाव घटाने की कवायदों के बीच उन्होंने कहा कि जब तक भारत जम्मू-कश्मीर में संवैधानिक स्थिति नहीं बदलता तब तक द्विपक्षीय रिश्ते आगे नहीं बढ़ाने चाहिए।

भारत से कपास एवं चीनी आयात को लेकर इमरान खान के रवैये में अचानक आए बदलाव का विश्लेषण करें तो उससे पाकिस्तान के मौजूदा आर्थिक हालात, राजनीतिक रस्साकशी और भारत के खिलाफ उस गहरी दुश्मनी के भाव की तस्वीर दिखेगी जो वहां के एक बड़े और प्रभावशाली वर्गों में गहरी पैठ किए हुए है। इनमें पाकिस्तानी राजनीतिक-सामरिक बिरादरी और सेना शामिल हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। जहां उसकी आबादी तेजी से बढ़ रही है वहीं अर्थव्यवस्था गतिहीन हो गई है। कट्टरपंथी सोच में लगातार विस्तार और तमाम आतंकी संगठनों की मौजूदगी के कारण अंतरराष्ट्रीय निवेशक उससे परहेज किए हुए हैं। देश के आर्थिक हालात सुधारने के लिए वहां ढांचागत सुधार अपरिहार्य हो गए हैं, परंतु उन्हें मूर्त रूप देने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। विदेशी सहायता पर पाकिस्तान की निर्भरता कम नहीं हुई है, जबकि उसके पारंपरिक मददगार उसकी मदद करते-करते उकता गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष इमरान सरकार से उसका एजेंडा लागू करने की मांग कर रहा है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे सूची से भी पाकिस्तान बाहर नहीं आया है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपैक) भी पाकिस्तान के लिए वैसा बाजी पलटने वाला साबित नहीं हुआ जैसी उससे उम्मीद की जा रही थी।

ऐसी विकट आर्थिक परिस्थितियों से पाकिस्तान तभी बाहर निकल सकता है जब वह भारत के साथ शांति कायम करे। अन्यथा उसकी अर्थव्यवस्था कुछ रेंगती हुई आगे बढ़ेगी या और नीचे चली जाएगी। इसमें दूसरी स्थिति के आसार ही अधिक हैं। भारत के साथ शांति स्थापित करने की राह में पाकिस्तान के राजनीतिक एवं सामरिक वर्ग को अपनी मानसिकता बदलनी होगी। तत्पश्चात ही जनता की सोच बदलेगी। उसे जम्मू-कश्मीर पर अपना पारंपरिक रुख भी परिवर्तित करना होगा। यह तो नहीं कहा जा सकता कि पाकिस्तानी नेता अपनी जनता से यह कहेंगे कि उन्हें भारत नीति पर नए सिरे से विचार करना होगा, लेकिन बीते दिनों कुछ ताजगी भरे बयान अवश्य आए। सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा और प्रधानमंत्री इमरान खान दोनों ने ऐसी बातें कीं। बाजवा ने कहा कि पाकिस्तान को भारत के साथ अपने अतीत को दफन करने की दरकार है और मौजूदा हालात में अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना भी राष्ट्रीय सुरक्षा का ही भाग है। यह नई सोच कोई तिकड़म ही क्यों न हो, उससे जाहिर होता है कि पाकिस्तान भारत के साथ संबंधों को पटरी पर लाने की दिशा में कुछ हल्की-फुल्की ही सही, पहल तो कर रहा है। मोदी सरकार ने इस पर सधी हुई सतर्क प्रतिक्रिया दी और स्पष्ट है कि पर्दे के पीछे वार्ता की कुछ कड़ियां जुड़ी हैं।

रिश्तों को सुधारने की इस कवायद का न केवल पाकिस्तान के सत्तारूढ़ दल, बल्कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भी विरोध किया है। पाकिस्तानी सेना में बैठे कुछ लोगों की शह के बिना वे ऐसा नहीं कर सकते। यानी भारत को लेकर नीति पर पाकिस्तानी सेना में ही मतभेद हैं।

जनरल बाजवा सभी कमांडरों को लामबंद करने में सक्षम नहीं हुए। फिलहाल वह सेवा विस्तार पर हैं और जबसे उन्होंने यह प्रस्ताव स्वीकार किया है तबसे सेना के भीतर उनकी प्रतिष्ठा पर कुछ आंच अवश्य आई है। भारत को इन पहलुओं पर ध्यान देना होगा, भले ही उसने भी कुछ छोटे-छोटे कदम उठाने शुरू किए हैं। भारत ने बीते दिनों सिंधु जल आयोग की बैठक, एक पाकिस्तानी स्पोर्ट्स टीम को अनुमति देने के अलावा आतंक को लेकर हिदायतों के साथ पाकिस्तान दिवस पर शुभकामनाएं दीं। इस मोर्चे पर भारत कैसे एहतियात बरत रहा है वह बीते दिनों दुशांबे में दिखा जहां विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तानी विदेश मंत्री से नहीं मिले।

तमाम पाकिस्तानी आर्थिक दुश्वारियां झेलने को तो तैयार हैं, मगर भारत के प्रति शत्रुता भाव छोड़ना उन्हें मंजूर नहीं। इस दुश्मनी की जड़ें उसी द्विराष्ट्र सिद्धांत से जुड़ीं हैं जिस आधार पर पाकिस्तान बना। पाकिस्तान के साथ शांति के अवसरों की तलाश में भारतीय नीति निर्माताओं को यह ध्यान रखना होगा। फिलहाल उन्हें सतर्क रहना होगा कि बाजवा और इमरान को शर्मिंदा करने के साथ ही भारत को प्रतिक्रिया व्यक्त करने पर मजबूर करने के लिए वहां का सैन्य-सियासी वर्ग किसी दुस्साहस को अंजाम देने में सफल न होने पाए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

कोरोना संक्रमण के कारण टलीं यूपी बोर्ड की परीक्षाएं, 20 मई के बाद तय होगी नई तारीख

बरेली । कोरोना वायरस संक्रमण के बेहद भयावह रूप लेने के कारण सीबीएसई के बाद अब उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपी बोर्ड की परीक्षाएं टाल दी गई हैं। बरेली में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाओं की नई तारीख 20 मई के बाद तय होगी जबकि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं भी 15 मई तक टाल दी गई हैं।

बरेली के एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के ऑनलाइन संबोधन के दौरान गुरुवार को डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को भी 20 मई तक के लिए स्थगित

किया जा रहा है। इसी तरह विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं और ऑनलाइन कक्षाओं को 15 मई तक लिए स्थगित किया जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक कर आगे का निर्णय लिया जाएगा।

प्रदेश में इससे पहले पंचायत चुनाव के कारण यूपी बोर्ड की परीक्षाओं को टाला गया था। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं का आयोजन पहले 24 अप्रैल से होना था। परीक्षाओं का कार्यक्रम भी तय हो गया था। इसके बाद पंचायत के चुनाव के कारण इसको आठ मई तक टाला गया। आठ मई से होने वाली सभी परीक्षा का कार्यक्रम भी तय कर दिया गया था। अब कोरोना वायरस संक्रमण के कारण इसको टाला गया है।

डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा के यूपी बोर्ड की हाईस्कूल तथा इंटर की परीक्षा को स्थगित करने की घोषणा के बाद ही मुख्यमंत्री ने कक्षा एक से 12 तक के सभी स्कूल व कॉलेज को लेकर भी आदेश जारी कर दिया है। प्रदेश में अब कक्षा एक से लेकर 12 तक के सभी स्कूल व कॉलेज 15 मई तक बंद रहेंगे। प्रदेश में कोरोना वायरस के के बढ़ते मामलों को देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ का बड़ा आदेश है।

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए इस बार 56 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपना पंजीकरण कराया है। कोरोना संक्रमण के कारण परीक्षा टलने का एक बड़ा कारण माध्यमिक शिक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारियों का भी कोरोना संक्रमित होना माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश की अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा अराधना शुक्ला के साथ ही उत्तर प्रदेश बोर्ड के शीर्ष 19 में से 17 अधिकारी कोरोना संक्रमित हैं। बोर्ड परीक्षा की तैयारियों में लगे 19 में से 17 अधिकारी कोरोना संक्रमित होने के कारण निर्णय अधर में था। अपर मुख्य सचिव आराधना शुक्ला के अलावा तीन विशेष सचिव, निदेशक व पांच उप निदेशक स्तर के अधिकारी कोरोना की चपेट में हैं। डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि इन सभी अधिकारियों के स्वस्थ होते ही बैठक होगी, जिसमें यूपी बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं के बारे में आगे का निर्णय लिया जाएगा।

मेरठ में मेडिकल और सेमेस्टर की परीक्षा भी स्थगित- कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने अब सेमेस्टर और मेडिकल की परीक्षा भी स्थगित कर दी है। अगले आदेश तक अब कोई भी परीक्षा नहीं होगी। इससे पहले वार्षिक मुख्य परीक्षाएं स्थगित की जा चुकी हैं। विश्वविद्यालय ने गुरुवार को यह निर्णय लिया। ये परीक्षाएं 16 अप्रैल से होने वाली थीं। इनमें एमबीबीएस, बीबीए, बीडीएस जैसे कोर्स के छात्र हैं। अब दोबारा से स्थिति की समीक्षा करने के बाद परीक्षा का नया कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती पर होगा अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान

दरभंगा । ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय सभागार में विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती और पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ललित नारायण मिश्र के 100 वीं जयंती की तैयारी को लेकर कोर कमेटी की बैठक हुई। इसके समन्वयक व कुलसचिव प्रो. मुश्ताक अहमद ने कहा कि कोर कमेटी की बैठक में विश्वविद्यालय स्थापना के स्वर्ण जयंती एवं ललित नारायण मिश्र की 100 वीं जयंती को भव्य तरीके से मनाए जाने का फैसला लिया गया है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आयोजित होने वाले कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया जाएगा। अकादमिक जिसमें सेमिनार, कार्यशाला एवं देश विदेश के प्रख्यात विद्वानों का व्याख्यान होगा। जिसकी जिम्मेवारी विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागों के अध्यक्षों को दी जाएगी।

कार्यक्रम का दूसरा पक्ष विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना का विकास करना है। जिनमें अकादमिक ब्लॉक का निर्माण, एडवांस रिसर्च सेंटर का निर्माण, सीनेट हॉल, गेस्ट हाउस का निर्माण एवं विश्वविद्यालय कैंपस को व्यवस्थित और सुंदर बनाने पर बल दिया जाएगा। पूरे कार्यक्रम के लिए ब्लूप्रिन्ट बनाने की जिम्मेवारी कोर कमेटी के सदस्यों को सौंपी गई है, जिसके समन्वयक प्रो. लावण्या कीर्ति सिंह काव्या एवं प्रो. अजय नाथ झा बनाए गए हैं।

कार्यक्रम का ब्लूप्रिन्ट तैयार हो जाने के बाद उपलब्ध राशि के अनुसार कार्यों की प्राथमिकता तय की जाएगी। प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग समिति का गठन किया जाएगा।

प्रतिकुलपति प्रो. डॉली सिन्हा ने विश्वविद्यालय के भव्य कार्यक्रम के लिए संसाधन की उपलब्धता को लेकर जनप्रतिनिधि एवं राज्य सरकार से पत्राचार किए जाने की बात कही।

बैठक में संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो. रतन कुमार चौधरी, प्रो. विमलेंदू शेखर झा, वित्तीय परामर्श कैलाश राम, प्रो. लावण्या कीर्ति सिंह काव्या, प्रो. अजय नाथ झा, प्रो. केके साहू, प्रो. अरुण कुमार, प्रो. अवनी रंजन सिंह, प्रो. अशोक मेहता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. विनोद बैठा एवं डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता ने किया।

कोरोना संक्रमित सीएम योगी आदित्यनाथ ने की समीक्षा, प्रवासियों का कोविड प्रोटोकॉल जारी

लखनऊ । कोरोना वायरस की दूसरी लहर से संक्रमित होने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रदेश के लोगों के जीवन तथा उनकी जीविका की चिंता है। पॉजिटिव होने के बाद भी गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हालात और व्यवस्था की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। इसके बाद उत्तर प्रदेश लौट रहे प्रवासियों के लिए नया कोविड प्रोटोकॉल जारी किया गया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समीक्षा के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के साथ ही कोरोना मैनेजमेंट की टीम-11 के सभी सदस्य जुड़े थे। दर्जनों ब्यूरोक्रेट्स भी इस दौरान समीक्षा बैठक के निर्देश को सुन रहे थे।

प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश लौट रहे प्रवासी कामगारों के लिए प्रोटोकॉल जारी किया है। इनकी अब हर जिले में होगी स्क्रीनिंग होगी। किसी में अगर कोरोना वायरस संक्रमण का लक्षण भी नहीं मिलता है, तब भी उसको कम से कम सात दिन दिन होम क्वारैंटाइन में रहना होगा।

कोरोनावायरस संक्रमण के खतरे के बीच उत्तर प्रदेश लौट रहे प्रवासी कामगारों के लिए योगी सरकार ने प्रोटोकॉल जारी किया है। इसके तहत सभी जिलों में क्वारंटीन सेंटर बनेंगे। महाराष्ट्र, दिल्ली समेत दूसरे राज्यों से पलायन कर प्रदेश लौट रहे प्रवासियों का जिले में स्क्रीनिंग कराना जरूरी होगा। इसके बाद इनको सात दिन का होम क्वारंटाइन जरूरी कर दिया गया है। कोई लक्षण नहीं होने के बावजूद भी सात दिन खुद को आइसोलेशन में रहना होगा। अगर लक्षण हैं तो 14 दिन क्वारंटाइन रहना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद जिलाधिकारियों इससे अवगत करा दिया गया है। अब सभी जनपदों में प्रवासी मजदूरों की आरटीपीसीआर जांच के साथ चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष रणनीति के तहत युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के हर जिले में क्वारंटाइन सेंटर के साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम इन प्रवासी मजदूरों की आरटीपीसीआर जांच करेगी। जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव होगी, उन मजदूरों के भोजन, क्वारंटाइन और दवाओं की व्यवस्था सरकार करेगी। इसके साथ ही आइसोलेशन सेंटर में 14 दिन निगरानी के बाद इन प्रवासी मजदूरों को परिवहन निगम की बसों से उनके गृह जनपद पहुंचाया जाएगा।

प्रवासी कामगारों के वापसी पर प्रबंधन प्रोटोकॉल- जिला प्रशासन स्क्रीनिंग कराएगा। लक्षण मिलने पर क्वारंटाइन में रखा जाएगा। जांच के बाद यदि सक्रमित मिलता है तो कोविड अस्पताल या घर पर आइसोलेट होना होगा। लक्षण हैं लेकिन संक्रमित नहीं होते हैं तो 14 दिन के होम क्वारंटाइन में भेजा जाएगा। लक्षणविहीन व्यक्ति सात दिन तक होम क्वारैंटाइन में रहेंगे।

जिले में पहुंचने के बाद जिला प्रशासन प्रत्येक प्रवासी की स्क्रनिंग के साथ-साथ पता एवं मोबाइल नंबर समेत लाइन-लिस्टिंग तैयार कराएगा। क्वारंटाइन सेंटर के प्रभारी अब सब प्रवासियों के नाम, पता, मोबाइल नंबर आदि एक रजिस्टर में दर्ज करना होगा। जिनके घरों में होम आइसोलेशन की व्यवस्था नहीं है, उन्हें संस्थागत क्वारैंटाइन में रखा जाएगा। इसके लिए स्कूलों को आरक्षित किया जाए।

सामुदायिक सर्विलांस के लिए ग्राम निगरानी समिति व शहरी क्षेत्रों में मोहल्ला निगरानी समिति का प्रयोग। आशा कार्यकत्री ऐसे प्रत्येक क्वारंटाइन किए गए घरों में तीन दिन में एक बार भ्रमण किया जाएगा। दिल्ली-मुंबई से आने उत्तर प्रदेश आने वाली ट्रेनों में भीड़ देखने को मिल रही है। इन दिनों दिल्ली-मुंबई से आने प्रदेश आने वाली ट्रेनों में भीड़ देखने को मिल रही है। बीते वर्ष भी बनाए गए थे कवॉरेंटाइन सेंटर- कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान बीते वर्ष भी लॉकडाउन में प्रदेश के श्रमिकों व कामगारों, ठेला, खोमचा, रेहड़ी लगाने वाले या दैनिक कार्य करने वाले सभी लोगों के भरण-पोषण की व्यवस्था को सुनिश्चित की। जिसके तहत परिवहन निगम की बसों से प्रदेश के करीब 40 लाख प्रवासी कामगरों व श्रमिकों को उनके गृह जनपदों तक भेजने, चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने व उनको स्थानीय स्तर पर रोजगार दिलाने के लिए बड़े पैमाने पर व्यवस्था की गई। प्रवासी श्रमिकों को राशन किट वितरण के साथ ही प्रति श्रमिक एक हजार रुपए की धनराशि भी ऑनलाइन माध्यम से हस्तांतरित की गई।

कांग्रेस बोली-मन बहलाने को मीटिंग कर रहे नीतीश

पटना । राज्य के साथ देश मे कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे है। बिहार में बुधवार को एक दिन में जहां साढ़े चार हजार से ज्यादा संक्रमित मिले। वहीं, देश मे करीब दो लाख कोरोना पॉजिटिव मिले। बिगड़ते हालात को देखते हुए कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से लेकर बिहार कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा के साथ ही मीडिया विभाग के अध्यक्ष राजेश राठौर ने व्यवस्था को नाकाफी बताया। इन नेताओं ने गुरुवार को अलग-अलग बयान जारी कर कहा कि सरकार के पास कोरोना जैसी जानलेवा बीमारी से निपटने के लिए अस्पतालों में ना तो कोई इंतजाम हैं और ना ही कोई रणनीति। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि ना टेस्ट है और ना हॉस्पिटल में बेड, ना वेंटिलेटर न ऑक्सीजन, वैक्सीन भी नहीं है बस एक उत्सव का ढोंग है। इधर कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा ने आज कहा कि पटना के साथ ही बिहार के तमान अस्पताल ऑक्सीजन और बेड की कमी से जूझ रहे हैं। कोरोना संक्रमित भगवान भरोसे अपनी जान की खैर मना रहे हैं, लेकिन राज्य की भाजपा-जदयू सरकार के मुखिया नीतीश कुमार को इससे फर्क नहीं पड़ता।

जौनपुर में पत्नी की चिता पर गिरकर पति ने भी तोड़ा दम, साथ जीने मरने का वादा पूरा होते देख लोग दंग

जौनपुर । ओ साथी रे...तेरे बिना भी क्या जीना। मुकद्दर का सिकंदर फिल्म के इस गीत को वास्तविक जीवन में चरितार्थ कर दिया मछलीशहर कोतवाली के जीरकपुर गांव निवासी एक दंपती ने। पत्नी की जुदाई सह न सके राज बहादुर ने उसकी चिता पर ही गिरकर आखिरी सांस ले ली। घटना गांव-जवार में चर्चा का विषय बन गई है। यूं ही नहीं कहा गया पति-पत्नी का जन्म-जन्मांतर का रिश्ता होता है।

गांव निवासी राज बहादुर (65) की पत्नी विद्या देवी (62) का गत मंगलवार को हार्टअटैक से निधन हो गया। जिंदगी के सफर में पत्नी के अचानक यूं साथ छोड़ जाने से राज बहादुर बेसुध से हो गए। रोजी-रोटी के सिलसिले में मुंबई रहने वाले उनके पुत्र राजीव (35) बुधवार की दोपहर वहां से आए तो विद्या देवी का पार्थिव शरीर अंत्येष्टि के लिए शहर के रामघाट श्मशान ले जाया गया। आग देने के बाद राज बहादुर गुमसुम बैठे चिता निहार रहे थे।

आंखों के सामने पत्नी की काया राख में बदल जाने के बाद राज बहादुर परंपरा के अनुसार चिता ठंडी करने के लिए पानी डालने उठे तो अचानक वहीं गिर पड़े और उनकी सांसें थम गईं। स्वजन तुरंत निजी अस्पताल ले गए। डाक्टर ने देखते ही राज बहादुर को मृत घोषित कर दिया। स्वजन पार्थिव शरीर लेकर घर चले आए। गुरुवार की दोपहर रामघाट ले जाकर उसी स्थान पर उनका भी अंतिम संस्कार कर दिया जहां विद्या देवी का किया गया था। मां-बाप के एक साथ निधन से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं गांव में पति पत्नी के कुछ ही घंटों के फासले पर हुई मौत को लेकर तरह तरह की चर्चा रही। परिजनों के अनुसार पति पत्नी में काफी तालमेल बेहतर था। इसकी वजह से वह पत्नी के मौत के बाद काफी सदमे में चले गए थे।

वाराणसी में कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए कर्फ्यू के दौरान गंगा घाट का दृश्य।

नीतीश ने ली वैक्सीन की दूसरी डोज, रेणु व तारकिशोर ने भी लगवाया टीका

पटना । इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (आइजीआइएमएस) में कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लेने गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहुंचे। नीतीश कुमार ने उपमुख्यमंत्री रेणु देवी व तारकिशोर प्रसाद के साथ वैक्सीन की दूसरी डोज ली। इसके बाद आइजीआइएमएस के इमरजेंसी स्थित बने कोविड डेडिकेटेड आइसीयू का शुभारंभ भी उनके हाथों होना है। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि लोग कोरोना की जांच कराएं और जो पैमाने पर फिट बैठते हैं वे वैक?सीन भी जरूर लगवाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना की स्थिति पर सरकार की नजर है। इसको लेकर 17 अप्रैल को राज्यपाल की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

भर्ती किए जाएंगे कोविड के गंभीर मरीज- बताया जाता है कि संस्थान में कोरोना संक्रमण के गंभीर मरीज भर्ती होंगे। यह वैसे मरीज होंगे, जिन्हें बेड के अभाव में पीएमसीएच, एनएमसीएच एवं एम्स से रेफर किया गया होगा। ये सभी अति गंभीर श्रेणी के मरीज होंगे। इसके लिए आइजीआइएमएस प्रशासन की ओर से तैयारी की जा रही है। गंभीर मरीजों की भर्ती के लिए यहां 30 आइसीयू एवं 15 एचडीयू सुरक्षित किए जा रहे हैं। इन बेडों पर केवल कोविड के गंभीर मरीज ही भर्ती रहेंगे।

कुर्जी होली फैमिली हॉस्पिटल में अब कोरोना के मरीजों का इलाज होगा। बुधवार को जिला प्रशासन ने कोरोना केयर के लिए कुर्जी सहित 14 और निजी अस्पतालों को अधिसूचित किया है। अब पटना जिले में कुल 47 निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए 985 बेड का प्रबंध कर दिया गया है।

कानपुर में मतपत्र बाहर लाने पर बवाल, हिरासत में दो युवक

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के रौद्र रूप धारण करने के बीच में प्रदेश में आज से गांव की सरकार चुने जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। प्रदेश में चार चरणों में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आज पहले चरण का मतदान शुरू हो गया है। 18 जिलों में जिला पंचायत सदस्य के 779, क्षेत्र पंचायत के 19,313 व ग्राम प्रधान के 14,789 पदों के चयन के लिए लोग मतदान केंद्र पहुंच रहे हैं।

कानपुर में मतपत्र बाहर लाने पर बवाल, हिरासत में दो युवक- कानपुर के शिवराजपुर विकासखंड के बैरी मतदान केंद्र पर दो युवकों के प्रत्याशी के कहने पर बैलट पेपर बाहर ले आने की जानकारी मिलते ही दूसरे प्रत्याशी के समर्थकों ने उसे पकड़ लिया। हंगामा होने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवक को हिरासत में लिया है। बैलट पेपर लेकर मामले की जानकारी नोडल अधिकारी को दी गई है। पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लिया है तथा मुहर लगे मतपत्र को भी अधिकारियों की जिम्मेदारी में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद में सर्वाधिक तथा अयोध्या में सबसे कम मतदान : कोरोना वायरस संक्रमण के बीच में भी उत्तर प्रदेश में गांव की सरकार के गठन के लिए चार चरण के चुनाव के पहले चरण में बचाव के साथ बड़ी संख्या में मतदाताओं ने केंद्र का रुख किया है। पहले चार घंटे यानी 11 बजे तक गाजियाबाद में सर्वाधिक 24.82 प्रतिशत मतदान हुआ है। सहारनपुर में 24.69, हरदोई में 24.00, रायबरेली में 23.87, झांसी में 23.36, बरेली में 23.13, संतबीर नगर में 22.31, रामपुर में 22.12, प्रयागराज में 20.11, गोरखपुर में 20.08, महोबा में 20.00, श्रावस्ती में 19.70 तथा अयोध्या में 17.00 प्रतिशत मतदान हुआ।

जौनपुर के सुजानगंज ब्लाक क्षेत्र के धारिकपुर बूथ पर बीडीसी के बैलेट पेपर बदल जाने की वजह से एक घंटे देर से मतदान शुरू हुआ। धारिकपुर बूथ पर बीडीसी के कुल आठ प्रत्याशी हैं, जबकि बैलेट पेपर में केला के पेड़ जो आठवें स्थान पर था वह बैलेट पेपर में था ही नहीं। इसकी जानकारी होने पर प्रत्याशी ने विरोध जताया तो बैलेट पेपर दूसरा मंगवाया गया जिससे करीब एक घंटे देर से मतदान शुरू हुआ।

जौनपुर में प्रत्याशियों का नाम मतपत्र से गायब, मतदान रुका: पंचायत चुनाव में भारी गड़बड़ी सामने आई है। जिला पंचायत सदस्य पद के तीन प्रत्याशियों का नाम मतपत्र में नहीं है। इसकी जानकारी हुई तो प्रत्याशियों ने हंगामा किया और मतदान रोक दिया। मामला बक्शा ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय सड़ेरी का है। हालात को काबू करने में एसडीएम, सेक्टर मजिस्ट्रेट व सीओ मौके पर डटे रहे। ग्राम सभा सड़ेरी के मतदान केंद्र पर बूथ संख्या 45, 46, 47, 48 पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया। वार्ड संख्या 24 में जिला पंचायत सदस्य पद पर 13 प्रत्याशी मैदान में है।

करीब नौ बजे एक प्रत्याशी नवी यादव को मतदाता ने वोट डालने के बाद बताया कि जिला पंचायत सदस्य पद पर उनका नाम व चुनाव चिह्न नहीं है। इसके बाद प्रत्याशी ने मौके पर पहुंचकर हंगामा करते हूए आरओ से कहकर मतदान रोकवा दिया। वहीं, आरओ का कहना है कि जिला पंचायत सदस्य पद के लिए मैदान में कुल 12 प्रत्याशी हैं। वहीं इस बूथ प्रधान व बीडीसी के प्रत्याशियों की

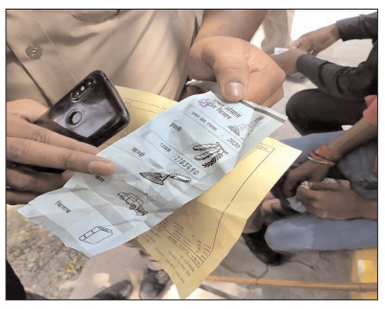

तरफ से अन्य पदों पर मतदान चालू कराने की बात कही जा रही है।

खून की उल्टी हुई और देखते ही देखते दम तोड़ दिया: झांसी के बड़ा गांव ब्लाक के केंद्र पर तैनात एक महिला की आज सुबह मतदान प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। महिला अधिकारी जौरी बुजुर्ग में बूथ क्रमांक 61 पर चुनाव करा रही थी।

महिला अधिकारी ने घबराहट की शिकायत की और जब तक कोई कुछ समझ पाता, उसकी मौत हो गई। महिला की पहचान निर्मला साहू (56) पत्नी रामप्रकाश साहू निवासी दतिया गेट बाहर कोतवाली के रूप में हुई है। निर्मला साहू कैंसर से पीड़ित बताई जा रही है। उसे खून की उल्टी हुई और देखते ही देखते उसने दम तोड़ दिया।

प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आज 18 जिलों में पहले दो घंटे के मतदान के कारण कई जगह छोटी-मोटी गड़बड़ी के बाद भी मतदान शांतिपूर्वक चल रहा है। भदोही के एक मतदान केंद्र पर बैलट पेपर बदल जाने के कारण मतदान करीब एक घंटा बाधित रहा। औराई क्षेत्र के रैपुरी के मतदान केंद्र में बैलट पेपर दूसरा आ गया। यहां पर मतदान केंद्र 12 पर बैलेट पेपर बदल गया है। जिला पंचायत सदस्य पद का बैलेट पेपर बदला। इसमें 25 नम्बर वार्ड की जगह दूसरी जगह का मत पत्र आया है। यहां पर बैलेट पेपर बदलने से मतदान बाधित रहा। पीठासीन अधिकारी ने प्रत्याशियों की लिस्ट मंगाकर दोबारा मतदान शुरू कराया है।

वनटांगिया आज बेहद उत्साहित :मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से पंचायत चुनाव में मतदान करने का अधिकार प्राप्त करने वाले वनटांगिया आज बेहद उत्साहित हैं। सुबह से ही यह लोग मतदान केंद्र में लाइन में लग गए।

गोरखपुर के मतदान केंद्र में पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में मतदान करने के लिए वनटांगिया गांव के एक मतदान केंद्र के बाहर काफी लम्बी लाइन में लगे वनटांगिया वर्ग के लोग विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान करे चुके हैं, लेकिन इनको गांव की सरकार बनाने का पहली बार मौका मिला है। यह लोग इसका पूरा लाभ लेने के प्रयास में लगे हैं।

कानपुर के 1994 मतदान केंद्रों पर वोटिंग: जिला पंचायत सदस्य, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए गुरुवार मतदान शुरू हो गया। सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ तो बड़े ही उत्साह के साथ मतदाता बूथों पर पहुंचे और कतार में लग गए। हर किसी के चेहरे पर अपना प्रधान चुनने को लेकर उत्साह दिखा। कहीं कोई विवाद न हो इसलिए पुलिस भी मुस्तैद रही।

जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार और पुलिस आयुक्त असीम अरुण भी बूथों का निरीक्षण करने निकले और सुरक्षा का अहसास कराया। जिले के 1994 बूथों पर मतदान हो रहा है। इस चुनाव में विभिन्न पदों के लिए कुल 9711 उम्मीदवार मैदान में हैं। 12.53 लाख मतदाता हैं। प्रधान के लिए 4485 उम्मीदवार , बीडीसी सदस्य के 3402, जिला पंचायत के 399 और ग्राम पंचायत के 1425 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव में अपर श्रमायुक्त फैसल आफताब को प्रेक्षक बनाया गया है।

हाथरस में 1636 बूथों पर मतदान- त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में गुरुवार की सुबह सात बजे से हाथरस में 1636 बूथों पर मतदान शुरू हो गया। गांव की सरकार के इस चुनाव में 9.41 लाख मतदाता भागीदारी करेंगे। विभिन्न पदों के लिए 7663 प्रत्याशी मैदान में हैं।

प्रधान पद के 3,621 उम्मीदवारों के अलावा 2461 बीडीसी, 311 जिला पंचायत सदस्य व 1270 ग्राम पंचायत सदस्य के उम्मीदवार हैं। प्रधान के 463, जिला पंचायत सदस्य के 24, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 599 पदों के लिए मतदान मतदान हो रहा है।

रामपुर में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान, महिलाओं में उत्साह- रामपुर जिले में पंचायत चुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हो गया है। मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए पर्याप्त सशस्त्र पुलिस बल लगाया है। पुलिस के जवानों के अतिरिक्त पीएसी, पीआरडी, होमगार्ड के जवान भी तैनात किए हैं। जिले में कुल 680 ग्राम प्रधान और 859 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के लिए चुनाव हो रहा है। जिला पंचायत के 34 और ग्राम पंचायत के 8504 सदस्यों के पद हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में 1300150 मतदाता हैं। 898 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 2127 बूथ हैं। इनमें 274 मतदान केंद्र सामान्य श्रेणी में रखे गए हैं, जबकि 266 संवेदनशील, 326 अति संवेदनशील और 32 अति संवेदनशील प्लस श्रेणी में रखे गए हैं। मतदान संपन्न कराने के लिए 10210 कर्मचारी लगाए गए हैं।

आगरा : आगरा के 15 ब्लाक में कुल 20.29 लाख वोटर हैं। 3407 बूथ और 1432 मतदान केंद्र हैं। जिला पंचायत के 51 सदस्य पदों के लिए 587 प्रत्याशी मैदान में हैं। प्रधान पद के कुल पद 690, निर्विरोध चुने गए: दो पद। 688 पदों के लिए अब 4431 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें 2597 पुरुष और 1834 महिलाएं हैं।क्षेत्र पंचायत सदस्य के कुल पद 1257, निर्विरोध चुने गए- 83। 1174 पदों के लिए 4811 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें 2937 पुरुष और 1874 महिलाएं हैं। ग्राम पंचायत सदस्य के कुल पद 9180, निर्विरोध चुने गए- 6441 । 497 पदों के लिए 1044 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें 766 पुरुष और 278 महिलाएं हैं। कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच गुरुवार को प्रदेश के 18 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान आज प्रत्याशियों के साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग, पंचायती राज विभाग, गृह विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की भी कठिन परीक्षा है। कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए 19,774 मतदान केंद्रों के 51,036 मतदेय स्थलों पर सुबह सात से शाम छह बजे तक वोट डाले जाएंगे। इस बार पंचायत चुनाव में करीब 11 घंटे मतदान चलेगा। कोरोना संक्रमित लोगों को पीपीई किट पहनकर वोट डालने की अनुमति दी गई है।

जयपुर में धूल भरी आंधी के दौरान बाडी चौपर का एक दृश्य।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई गुवाहाटी में रमजान के पवित्र महीने के पहले दिन अपने इफ्तार के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ।

जयपुर के कोरोनोवायरस मामलों में उछाल के बीच बादी चौपर के बाजार में लोगों की उमड़ी भीड़।

एक नजर

महाराष्ट्र में प्रतिबंधों से बने लॉकडाउन जैसे हालात, सड़कों पर पसरा सन्नाटा

मुंबई । महाराष्ट्र में कोरोना महामारी का देखते हुए पूरे राज्य में एक बार फिर लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। ये पाबंदियां 14 अप्रैल की शाम 8 बजे से लागू हो चुकी हैं जो एक मई तक जारी रहेंगी। पूरी राज्य में धारा 144 भी लागू कर दी गई हैं। प्रतिबंध लगने के बाद नागपुर के दृश्य सामने आये हैं। भीड़ से पटी रहने वाली इन सड़कों पर मात्र गिने चुने ही लोग दिख रहे हैं। बता दें कि कोरोना के भयावह हालातों को देखते हुए एक मई तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा। हालांकि इस दौरान पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस पहले की तरह ही सामान्य रूप से जारी रहेगी लेकिन निजी वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी गई है। लॉकडाउन जैसी सख्त पाबंदियां लगने के बाद रोज कम कर के अपनी रोजी रोटी कमाने वालों पर संकट पैदा हो गया है। काम धंधे एक बार फिर से बंद हो गए हैं। लोगों के सामने दो वक्त के खाने का संकट पैदा हो गया है। लेकिन इस बार सरकार ने ज़रूरतमंदों और गरीबों को मुफ्त खाना बांटने का निर्णय किया है इसके लिए 'शिव भोजन थाली' की व्यवस्था की गई है। महाराष्ट्र सरकार ने 'शिव भोजन थाली' योजना को 26 जनवरी, 2020 को लॉन्च किया था। इस माह गरीबों को मुफ्त में थाली को वितरित की जाएगी। थाली को पार्सल के रूप में पैक किया हुआ खाना गरीब लोगों को मुफ्त में बांटा जाएगा। एक थाली में दो चपाती, एक सब्जी, एक कटोरी चावल और दाल रखी गई है जो एक व्यक्ति के लिए पर्याप्त है।

रिया ने लांघी संकटों की सीमा, पठानी सामंत मैथमेटिक्स स्कॉलरशिप टेस्ट में लहराया परचम

भुवनेश्वर । कोरोना महामारी के दौरान पूरी तरह से प्रभावित शिक्षा के बावजूद रिया राय ने इस संकट की सीमा को लांघते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। पठानी सामंत मैथमेटिक्स स्कॉलरशिप टेस्ट में इस युवा प्रतिभा ने 91.67 प्रतिशत अंक हासिल करते हुए अपना एवं अपने स्कूल का नाम रोशन किया है। 150 अंक वाली इस परीक्षा में रिया ने 137.5 अंक हासिल किए है। रिया की इस सफलता पर श्री अरविंद पूर्णांग शिक्षा केन्द्र के प्रधानाचार्य रेणुबाला सामन्तराय ने बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के कारण, जहां पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित हुई है और सीबीएसई दसवीं की परीक्षा भी रद कर दी गई है तथा 12वीं की परीक्षा स्थगित कर दी गई है, इस स्थिति में रिया ने कठिन मेहनत कर के इस स्कॉलरशिप परीक्षा को बेहतर अंक के साथ पास किया है। रिया ने साबित कर दिया है कि अगर मन में लगन हो तो किसी भी कठिनाई के रास्ते को पार किया जा सकता है। सफलता का श्रेय अपने परिवार को देते हुए रिया ने कहा कि कठिन मेहनत करके वह एक नई बुलंदी को हासिल करना चाहती है, उस लक्ष्य का यह पहला पायदान है। इस सफलता के लिए उसने विशेष रूप से स्कूल की प्रधानाचार्य रेणुबाला सामन्तराय, शिक्षक भागवत लेंका एवं रविन्द्र खटुआ को दिया है। उसने कहा कि वह आगे बढ़ने के लिए और भी मेहनत करेगी तथा आपने लक्ष्य को हासिल करेगी। रिया ने कहा कि आज कोरोना महामारी में जिस प्रकार से डाक्टरों की कमी महसूस की जा रही है, उसे देखते हुए मैंने डाक्टर बनकर लोगों की सेवा करने का निर्णय लिया है। इधर रिया के पिता शेषनाथ राय जो पेशे से पत्रकार हैं और माता सुनीता राय जो गृहिणी हैं, ने बेटी की सफलता पर खुशी जाहिर की है। राय दंपति ने बताया कि रिया काफी मेहनत करती है। उसका पिछली पढ़ाई का इतिहास काफी सम्मानजनक रहा है। इससे पहले भी उसने 2017 में पठानी सामन्त की परीक्षा, आकाश टैलेंट हंट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। रिया को पढ़ाई के साथ ही संगीत का काफी शौक है। शहीद नगर विष्णु मंदिर में आयोजित भजन समारोह में अपने सुमधुर आवाज से भजन प्रस्तुत कर सभी का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया था।

हाट सीट कमरहट्टी- माकपा को सीट पर कब्जा बरकरार रखना चुनौती, लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने में जुटी भाजपा

कोलकाता । उत्तर 24 परगना जिले की कमरहट्टी विधानसभा सीट राय की महत्वपूर्ण सीटों में शामिल है। यह सीट शुरू से ही माकपा का गढ़ मानी जाती है। पिछले कुछ वषरें में इस सीट पर बदले समीकरण ने हर एक दल के लिए जीत की राह को मुश्किल कर दिया है। इस बार के चुनाव में इस सीट को अपने पाले में करने के लिए टीएमसी ने पूरा जोर लगा दिया है। वहीं, दूसरी ओर बंगाल में तेजी से उभरी भाजपा इस सीट पर लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में जुटी है।

यहां तृणमूल कांग्रेस ने पूर्व मंत्री तथा कद्दावर नेता मदन मित्रा को मैदान में उतारा है। वहीं माकपा की ओर से यहां सायनदीप मित्र उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। यहां भाजपा ने राजू बनर्जी को मैदान में उतारा है। माकपा के सायनदीप मित्रा का कहना है कि कमरहट्टी क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विकास हुआ है। लिहाजा यहां की जनता माकपा के साथ है। दूसरी ओर तृणमूल के मदन मित्रा का कहना है कि कमरहट्टी विधानसभा क्षेत्र में विकास के नाम कुछ नहीं हुआ है। लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इस बार के चुनाव में यहां के लोग इसका जवाब देंगे। वहीं भाजपा के राजू बनर्जी का कहना है कि इस विधानसभा क्षेत्र का न ही माकपा और न ही तृणमूल ने विकास किया है। पूरे राय में भगवा की लहर है। राय के लोग विकास चाहते हैं। लिहाजा कमरहट्टी सीट पर परिवर्तन तय है। कमरहट्टी विधानसभा सीट पर वर्तमान में माकपा का कब्जा है। 2016 के विधानसभा चुनाव में माकपा के मानस मुखर्जी ने सत्ताधारी दल टीएमसी के मदन मित्रा को 4198 वोटों से हराया था। मानस मुखर्जी को यहां 62194 वोट मिले थे और मदन मित्रा को 57996 वोट हासिल हुए थे। वहीं, भाजपा यहां तीसरे नंबर पर रही थी, जिसके प्रत्याशी को करीब 11 हजार वोट मिले थे।

बीएसएफ ने सीमा पर 13.8 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया

कोलकाता । दक्षिण बंगाल फ्रंटियर अंतर्गत सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने बंगाल के नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास तस्करी को नाकाम करते हुए 13.8 किलोग्राम गांजा जब्त करने के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गांजा की बांग्लादेश में तस्करी की कोशिश की जा रही थी। बीएसएफ द्वारा जारी बयान में बताया गया कि 12 अप्रैल को बॉर्डर आउट पोस्ट होरांडिपुर, 54 बटालियन, बीएसएफ के क्षेत्र से गांजा की तस्करी के संबंध में बीएसएफ खुफिया शाखा से प्राप्त विशिष्ट जानकारी पर कार्रवाई करते हुए संदिग्ध इलाके में एक विशेष गश्त दल भेजा गया। जवानों ने एक व्यक्ति की कुछ संदिग्ध गतिविधियों को देखा जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा की ओर प्लास्टिक के बैग के साथ बढ़ रहा था।

राजसमंद विधानसभा उप चुनाव 2021- भाजपा, कांग्रेस के दर्जनों नेता मतदाताओं को अपने पक्ष में जोड़ने जुटे रहे

उदयपुर । राजसमंद विधानसभा के लिए उपचुनाव के लिए गुरुवार शाम प्रचार समाप्त हो जाएगा लेकिन इस बीच दोनों दलों के प्रत्याशी और समर्थक जी-जान से मतदाताओं को अपने-अपने पक्ष में जोड़ने में जुटे हैं। यहां भाजपा प्रत्याशी दीप्ति माहेश्वरी और कांग्रेस के तनसुख बोहरा के बीच मुख्य मुकाबला है। दीप्ति दिवंगत विधायक किरण माहेश्वरी की बेटी है, जबकि तनसुख की पहचान क्षेत्रीय उद्यमी और समाजसेवी के रूप में थी। दोनों दलों के कई मंत्री दर्जनों नेता लगातार यहां सक्रिय रहे। समर्थक अपने-अपने नेताओं के लिए खुलकर प्रचार कर रहे हैं, लेकिन आम मतदाता के मानस का पता परिणाम घोषित होने के बाद ही लग पाएगा। दीप्ति जहां अपनी दिवंगत मां किरण माहेश्वरी के नाम पर मतदाताओं को अपने पक्ष में जोड़ने में जुटी है, वहीं तनसुख अपनी समाजसेवी छवि को भुनाने में जुटे हैं।

भाजपा के प्रादेशिक दिग्गज नेता तथा राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के पिछले दिनों महाराणा प्रताप पर दिए बयान को लेकर राजसमंद विधानसभा क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। राजपूत समाज ही नहीं, बल्कि आम मेवाड़वासियों के लिए महाराणा प्रताप प्रात: स्मरणीय हैं और उन्हें ईश्वर की तरह पूजते हैं। आम जनता में कटारिया के प्रति आक्रोश भाजपा के लिए चुनौती बन गया है। राजसमंद जिले में सवा दो लाख मतदाताओं में से चालीस हजार

मतदाता राजपूत समाज से है। दूसरे नंबर पर कुमावत, तीसरे पर, गुर्जर तथा चौथे नंबर पर ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या है, जो महाराणा प्रताप पर दिए बयान को लेकर कटारिया से नाराज हैं। हालांकि उनके मन में भाजपा प्रत्याशी दीप्ति को लेकर कड़वाहट नहीं है।

सर्व समाज और राजपूत समाज के विभिन्न संगठन गुरुवार देर शाम तक निर्णय लेंगे कि वह महाराणा प्रताप को लेकर कटारिया के दिए बयान को लेकर भाजपा का बहिष्कार करते हैं या मतदाताओं को स्वनिर्णय के लिए समर्थन करते हैं। हालांकि मेवाड़ तथा क्षेत्र के राजपूत संगठन कटारिया से पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया से नाराज हैं और भाजपा के विरोध में मतदान को लेकर समाज को मनाने में जुटे हैं। वल्लभनगर में आयोजित भाजपा की बैठक में महाराणा प्रताप की प्रतिमाएं पैरों में रखने को लेकर राजपूत समाज पहले से ही पूनिया और भाजपा से नाराज चला आ रहा है।

कांग्रेस और भाजपा के ये दिग्गज रहे राजसमंद में सक्रिय

यूं तो राजस्थान में तीन विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव हो रहे हैं, लेकिन सहाड़ा और सुजानगढ़ की बजाय राजसमंद इनमें सबसे होट सीट बनकर उभरी है। यहां कांग्रेस और भाजपा के दर्जनों नेता लगातार सक्रिय रहे। कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया, सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, कांग्रेस अध्यक्ष एवं शिक्षा मंत्री गोविन्दसिंह डोटासरा, महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन, परिवहन मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, श्रम मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) टीकाराम जूली, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, चिकित्सा राज्यमंत्री सुभाष गर्ग, युवा एवं खेल मामलात मंत्री अशोक चांदना, राज्यसभा सदस्य नीरज डांगी के अलावा एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी, यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोघरा सहित पार्टी के कई विधायक सक्रिय रहे।

इसी तरह भाजपा से केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सतीस पूनिया, राष्ट्रीय समासचिव अरूणसिंह, केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर, राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उप नेता राजेन्द्र राठौड़, सांसद दीया कुमारी, संगठन मंत्री चंद्रशेखर के अलावा पार्टी के बीस विधायक चुनाव प्रचार में जुटे रहे।

गुजरात में कोरोना के 7410 नए मामले और 73 मौतें, श्मशानों में वेटिंग; सूरत में कब्रों की एडवांस खुदाई

अहमदाबाद । गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 7410 नए मामले सामने आए। 2642 लोग डिस्चार्ज हुए और 73 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में कुल मामले 3,67,616 हैं। कुल 3,23,371 डिस्चार्ज हुए। सक्रिय मामले 34,555 हैं। कोरोना से अब तक 4,922 की मौत हुई है। पिछले कुछ समय से प्रदेश के कई जिलों में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। गुजरात उच्च न्यायालय ने दो दिन पहले ही कोरोना के प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार को खरी खोटी सुनाई थी, सरकार बेड की संख्या, ऑक्सीजन, रेमडेसीवर इंजेक्शन आदि की पर्याप्त व्यवस्थाएं कर रही हैं, लेकिन सूरत व अहमदाबाद में मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है।

अहमदाबाद व सूरत शहर में कोरोना फिर कहर बनकर टूटा है। संक्रमण के केसों ने अब तक के सभी रिकार्ड तोड़ दिए हैं। आलम यह है कि श्मशानों में जहां 10 से 12 घंटे की वेटिंग है, वहीं कब्रिस्तान में जेसीबी से खुदाई कराकर एडवांस में कब्रें तैयार की जा रही हैं। अहमदाबाद के सीएनजी संचालित शवदाह गृह में 10-12 घंटे की वेटिंग चल रही है। उधर, सुरेंद्रनगर जिले के लींबडी कस्बे में सात दिन का लॉकडाउन घोषित किया गया। व्यापार मंडल ने श्मशान ग्रह में लोगों से शवदाह के लिए लकड़ियां दान करने की भी अपील की है।

सूरत में कब्रों की एडवांस खुदाई- सूरत के रामपरा कब्रिस्तान के प्रबंधक मोहम्मद आसिफ बताते हैं कि पहले दो-तीन शव आते थे, लेकिन अब 10-12 रोज आते हैं। एक कब्र खोदने में छह-सात घंटे लगते हैं। मजदूरों की कमी के कारण अब जेसीबी से एडवांस में कब्रें खुदवा कर रख रहे हैं। बीते चौबीस घंटे में गुजरात में कोरोना के 6690 केस सामने आए, जबकि 67 लोगों की मौत हुई।

अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में 40-50 एंबुलेंस की कतारें भय पैदा करने लगी हैं। इस पर अस्पताल अधीक्षक डॉ जेवी मोदी का कहना है कि मरीज को प्राथमिकता व एक प्रक्रिया के तहत ही भर्ती किया जा सकता है। इनमें ट्रायेज मरीज अधिक होते हैं, जिन्हें उच्च दाब से ऑक्सीजन की जरूरत होती है, इसलिए एंबुलेंस में उनको मिलती रहती है। एंबुलेंस की कतारों से सिविल की कार्यक्षमता को नहीं आंकना चाहिए।

जीवनरक्षक दवा की कालाबाजारी में चार गिरफ्तार- जीवनरक्षक टीका रेमडेसीवर की कालाबाजारी के आरोप में अपराध शाखा ने जस्टिन परेरा को 35 इंजेक्शन के साथ अहमदाबाद के एयरपोर्ट पर दबोच लिया। वहीं, कॉरपोरेशन संचालित एसवीपी अस्पताल के स्टाफ नर्स भाई बहन अक्षर वाजा, विधि वाजा तथा एंबुलेंस ड्राइवरसे नौ इंजेक्शन जब्त कर उनकी गिरफ़तारी की गई। 4500 का इंजेक्शन ये 12 हजार रुपये में बेचते थे। उदयपुर राजस्थान से भी कालाबाजारी कर यहां रेमडेसीवर इंजेक्शन लाने की खबर है।

बुजुर्ग, विकलांग व बीमार लोगों की सुविधा के लिए सरकार ने पीपीपी मॉडल से ड्राइव थ्रू आरटी पीसीआर टेस्ट सुविधा शुरु की है। यहां कार में बैठे बैठे टेस्ट कराया जा सकेगा। अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान पर इस ड्राइव थ्रू आरटी पीसीआर टेस्ट के लिए पहले से पंजीकरण की कोई आवश्यकता नहीं है।

बुजुर्ग, विकलांग व बीमार लोग कार में सवार होकर टेस्ट कराने वालों को जाना है तथा पांच कलेक्शन सेंटर में से एक पर कोड स्कैन करते ही टोकन जनरेट हो जाएगा। सरकार ने निजी आपकी मदद से यह टेस्ट ड्राइव शुरू किया है और इसकी कीमत 800 रुपये रखी है। 24 से 36 घंटे में इसकी रिपोर्ट एसएमएस, वॉट्सएप तथा ईमेल के ऊपर भेज दी जाएगी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बोले-अंबेडकर कांग्रेस में नहीं थे, लेकिन नेहरू ने विधि मंत्री बनाया

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा ये लोग तो अंग्रेजों से मिले हुए थे। आजादी के आंदोलन से इनका कोई संपर्क ही नहीं था। गहलोत ने कहा, भाजपा वाले कहते हैं कि पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल और डॉ.भीमराव अंबेडकर में मतभेद थे । लेकिन यह गलत है। अंबेडकर कांग्रेस में नहीं थे, लेकिन फिर भी नेहरू ने उन्हे विधि मंत्री बनाया। यह सोच भी उस वक्त के नेताओं में थी कि चाहे मतभेद हो, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। बृहस्पतिवार को अंबेडकर जयंती पर आयोजित वर्चअुल वेबिनार में गहलोत ने कहा कि छूआछूत मानवता के नाम पर कलंक है, इसे मिटाने के लिए हमें आगे आना होगा। अंबेडकर ने बचपन से इस दंश को झेला था। अंबेडकर का सपना अभी पूरा नहीं हुआ है। कुरूतियों पर सब समाज मिलकर चोट करें। अंबेडकर के बताए रास्ते पर चलें ।गहलोत ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और अंबेडकर ने कई बार अपमान का घूंट पिया, लेकिन इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। आज जो सत्ता में बैठे है, उन्होंने आजादी के लिए अंगुली तक नहीं कटवाई। उन्होंने कहा, लव जिहाद का नारा दिया गया।

इससे परिवार में झगड़े होते हैं। आग लगाना आसान है, लेकिन बुझाने में काफी मेहनत करनी पड़ती है। धर्म और जाति के नाम पर लड़ाया जा रहा है। वेबीनार में जनप्रतिनिधि,सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और शिक्षाविद्ध भी जुड़े ।

जेलों में भी कहर बरपाने लगा कोरोना, 198 कैदी और 86 जेल स्टाफ संक्रमित; 15 मौत

मुंबई । महाराष्ट्र की जेलों में भी कोरोना महामारी अपना कहर बरपा रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार राज्य की इन जेलों में वर्तमान में 284 सक्रिय मामले हैं। इनमें से 198 कैदी और जेल स्टाफ के 86 सदस्य शामिल हैं। 15 मौतें हुईं, जिनमें 7 कैदी और 8 जेल कर्मचारी शामिल थे। जेल के1326 कैदियों और 3112 जेल कर्मचारियों का अब तक टीकाकरण किया जा चुका है।

महाराष्ट्र में 58952 नए मामले

महाराष्ट्र में बुधवार को कोरोना संक्रमण के 58952 नए मामलों की पुष्टि हुई है और 278 मौतें दर्ज की गई हैं। राज्य में 6,12,070 सक्रिय मामलों समेत कुल संक्रमितों की संख्या 35,78,160 तक पहुंच गई है। वहीं, मुंबई में कोरोना के 9925 नए मरीज सामने आए और 54 मौतें दर्ज हुईं। 9273 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और 87443 मरीज सक्रिय बताये गए हैं। राज्य में कुल मामले 5,44,942 तक पहुंच गए हैं। जबकि, नागपुर में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 5993 नए मरीजों की पुष्टि हुई, 3993 मरीज स्वस्थ हुए और 57 मौतें दर्ज कीं गई। यहां कुल संक्रमित2,97,036 हैं। कुल 2,28,071 लोग रिकवर हो चुके हैं। कुल सक्रिय मामलों की संख्या 63,005 हैं। राज्य में कोरोना से अब तक 5,960 की मौत हुई है। राज्य में कोरोना की भयावह स्थिति को देखते हुए इस बीच, मुंबई व नागपुर में कर्फ्यू प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। प्रतिबंध के चलते मुंबई के मरीन ड्राइव और गोरेगांव में सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

महाराष्ट्र में कोरोना से दिन प्रतिदिन खराब होते जा रहे हालातों को देखते हुए सरकार ने Break the Chain नाम से पाबंदियां लागू की हैं। जिसे 14 अप्रैल बुधवार रात 8 बजे लागू कर दिया गया था जो 1 मई तक ऐसे ही पूरे राज्य में लागू रहेंगी। इन पाबंदियों के साथ पूरे राज्य में धारा 144 भी लागू कर दी गई है। देश भर में सामने आए 1.85 लाख नए मामलों में से अकेले 60 हजार से ज्यादा केस महाराष्ट्र में मिले हैं।

ओडिशा में बेकाबू हुआ कोरोना संक्रमण, 2989 नए मरीजों की पहचान

भुवनेश्वर । ओडिशा में कोरोना बेकाबू हो गया है। प्रदेश में आज कोरोना से जहां से दो लोगों की मौत हो गई है तो वहीं नियमित संक्रमण का आंकड़ा बढ़कर तीन हजार के करीब पहुंच गया है। प्रदेश में आज कोरोना संक्रमण के 2989 नए मामले पाए गए है। नए पॉजिटिव मामलों में संगरोध केंद्र से 1733 तथा स्थानीय संक्रमण के 1256 मामले शामिल हैं।

आज संक्रमित पाए गए मरीजों में से सर्वाधिक मरीज सुन्दरगड़ एवं खुर्दा जिले से हैं जबकि 9 जिलों में 100 से अधिक संक्रमण के मामले सामने आए हैं। यह जानकारी राज्य सरकार के सूचना और जनसंपर्क विभाग ने ट्वीट कर दी है। जानकारी के मुताबिक नए संक्रमित मरीजों में सुंदरगढ़ जिले से सर्वाधिक 631, खुर्दा जिले से 438, अनुगुल जिले से 65, बालेश्वर जिले से 83, बरगढ़ जिले से 126, भद्रक जिले से 34, बलांगीर जिले से 110, बौध जिले से 10, कटक जिले से 208, देवगढ़ जिले से 23, ढेंकानाल जिले से 21, गजपति जिले से 15, गंजाम जिले से 63, जगतसिंहपुर जिले से 24, जाजपुर जिले से 51, झारसुगुड़ा जिले से 84, कलाहांडी जिले से 260, कंधमाल जिले से 8, केंद्रापड़ा जिले से 11, केंदुझर जिले से 77, खुर्दा जिले से 438, कोरापुट जिले से 14, मालकानगिरि जिले से 2, मयूरभंज जिले से 38, नवरंगपुर जिले से 43, नयागढ़ जिले से 12, नुआपड़ा जिले से 151, पुरी जिले से 112, रायगड़ा जिले से 27, संबलपुर जिले से 148, सोनपुर जिले से 6 तथा स्टेट पूल में 94 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। वहीं दूसरी तरफ आज दो लोगों की कोरोना से मौत हो जाने की जानकारी राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की तरफ से ट्वीट कर दी गई है। मृतक मरीजों में कलाहांडी जिले से 1 तथा केंदुझर जिले से 1 मरीज शामिल हैं।

गौरतलब है कि अब तक कुल 9496291 नमूना परीक्षण हुआ है। इसमें से अब तक कुल 358342 पॉजिटिव पाए गए हैं। हालांकि इसमें से 341733 लोग अब तक स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं जबकि 1935 लोगों की अब तक कोरोना से मौत हो चुकी है। प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 14621 हो गई है।

कोरोना संक्रमित होने पर फेफड़े की कोशिकाओं के मेटोबोलिक रिएक्शन रेट में होता है बदलाव

कोलकाता । कोरोना महामारी की दूसरी लहर बेहद खतरनाक होती जा रही है। इसमें संक्रमण के मामले तो बढ़ ही रहे हैं, साथ ही मौतों का ग्राफ भी तेजी से ऊपर उठ रहा है। इंडियन इंस्टीयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) खड़गपुर ने ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिससे पता चला है कि कोरोना संक्रमित होने के बाद फेफड़े की कोशिकाओं के मेटोबोलिक रिएक्शन रेट में बदलाव होता है। इस अनुसंधान की बदौलत कोरोना महामारी को और भी अछी तरह से समझा जा सकेगा और इससे निपटने के लिए इलाज के बेहतर तरीके विकसित किए जा सकेंगे।

आइआइटी खड़गपुर के स्कूल ऑफ एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित घोष ने कहा-हमने इस जीनोम-स्केल मेटोबोलिक मॉडल को विकसित करने में कोरोना से संक्रमित मनुष्य की सामान्य ब्रोंकियल सेल के जीन एक्सप्रेशन का इस्तेमाल किया। इसके साथ वायरस के माइक्रो मोलेकुलर मेक अप का भी प्रयोग किया गया है। अन्य अनुसंधानकर्ता पीयूष नंदा ने कहा-इस मॉडल के जरिए हमने बताने की कोशिश की है कि मेटोबोलिम किस तरह से काम करता है और बीमार पड़ने पर इसमें किस तरह से बदलाव आते हैं।

अनुसंधान में यह भी पता चला है कि जब कोरोना जैसे वायरस शारीरिक कोशिकाओं पर हमला करते हैं तो किस तरह से सैकड़ों केमिकल रिएक्शन संबंधी बदलाव आते हैं। इससे इस बीमारी के बारे में हमारी समझ और बेहतर होगी। मेटोबोलिक रिप्रोग्रामिंग के बारे में हमारी समझ जितनी अछी होगी, हम कोरोना से निपटने को इलाज के उतने ही बेहतर तरीके तलाश पाएंगे। अनुसंधानकर्ताओं का अनुमान है कि कोरोना से लिपिड मेटोबोलिजम, विशेषकर फैटी एसिड ऑक्सीडेशन, कॉलेस्ट्राल बायोसिंथेसिस सबसे यादा प्रभावित होते हैं।

जानकारी हो कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर बेहद खतरनाक होती जा रही है। इसमें संक्रमण के मामले तो बढ़ ही रहे हैं, साथ ही मौतों का ग्राफ भी तेजी से ऊपर उठ रहा है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में अब तक के सर्वाधिक दो लाख नए मामले सामने आए हैं। ये मामले 10 दिन में लगभग दोगुना हो गए है।

अमेरिका में एक लाख से दो लाख मामले पहुंचने में 21 दिन लगे थे। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और केरल समेत 16 रायों में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इनमें से भी अकेले महाराष्ट्र में ही सबसे अधिक एक्टिव केस हैं।देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ 40 लाख 74 हजार को पार कर गया है। इनमें से एक करोड़ 24 लाख 29 हजार से यादा मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। मरीजों के उबरने की दर 88.92 फीसद पर आ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से आज बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 2 लाख से अधिक नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 1,038 लोगों की मौत हुई है और मृतकों की संख्या 1,73,123 हो गई है।

अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' में नजर आएंगे दुनियाभर के फुटबॉलर

बॉलीवुड में इन दिनों कई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्में बन रही है। अजय देवगन भी जल्द ही फुटबॉल पर आधारित फिल्म 'मैदान' में नजर आने वाले हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो फिल्म में दुनियाभर के फुटबॉल खिलाड़ियों को फिल्माया जाएगा। इस फिल्म में अजय मुख्य भूमिका में दिखेंगे। हाल में फिल्म के निर्देशक अमित शर्मा बताया, फिल्म 'मैदान' को बेहतरीन बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमने दुनियाभर के फुटबॉल खिलाड़ियों को 'मैदान' में खेलने के लिए बुलाया है। ये फुटबॉल खिलाड़ी जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और थाईलैंड जैसी जगहों से आकर फिल्म का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भारत आने में कुछ समस्याएं हैं। उनके यहां लॉकडाउन होने के कारण वो 'मैदान' का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। बताया गया है कि इस फिल्म में कई सारे फुटबॉल मैचों की सीरीज देखने को मिल सकती है। इसमें भारत का मुकाबला अन्य देशों के खिलाड़ियों से होगा। अमित ने बताया, थाईलैंड के खिलाड़ी पहले से भारत में हैं। वे कोरोना से मेरी रिकवरी का इंतजार कर रहे हैं। हम जल्द उनके साथ शूटिंग शुरू करेंगे। इसके बाद हम अन्य देशों के साथ हर मैच के बीच एक ब्रेक के साथ मैच के सीन्स को शूट करेंगे। यह काफी मुश्किल शेड्यूल है। अमित ने आगे बताया कि सभी फुटबॉल मैचों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शूट किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि क्वालिटी को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। उनका मानना है कि वह उस स्तर की फिल्म बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे भारत को गर्व होगा। अमित की फिल्म 'मैदान' भारतीय फुटबॉल के सुनहरे लम्हों पर आधारित सच्ची कहानी है।

अजय देवगन भी जल्द ही फुटबॉल पर आधारित फिल्म 'मैदान' में नजर आने वाले हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो फिल्म में दुनियाभर के फुटबॉल खिलाड़ियों को फिल्माया जाएगा। इस फिल्म में अजय मुख्य भूमिका में दिखेंगे। हाल में फिल्म के निर्देशक अमित शर्मा कोरोना संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद फिल्म की शूटिंग बंद करनी पड़ी थी। खबरों के मुताबिक, अमित कोरोना संक्रमण से उबर चुके हैं और जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

महिलाओं को सम्मान जनक स्थिति में नहीं दिखाने वाली कहानी का हिस्सा नहीं बनूंगी

अहाना कुमरा कहती हैं कि एक अभिनेत्री होने के नाते वह सिनेमा की शक्ति और प्रभाव को समझती हैं और यही कारण है कि वह कभी भी एक ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं, जो महिलाओं के सम्मानजनक चित्रण की पेशकश नहीं करती है। उन्होंने कहा, ''मैं एक अभिनेत्री के रूप में जानती हूं, मेरे पास लोगों को प्रभावित करने की शक्ति है और मैं इसका उपयोग सही दिशा में करना चाहती हूं। फिल्में समाज, विशेष रूप से युवा दिमागों पर भारी प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए, मैं कभी भी एक ऐसे प्रोजेक्ट के साथ जुड़ना नहीं चाहती, जिसमें महिलाओं को गलत इमेज के साथ दिखाया जाएगा। यह महत्वपूर्ण है और महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा के बारे में बातचीत करने के लिए एक सही समय है।'' अहाना ने हाल ही में मधुर भंडारकर की फिल्म इंडिया लॉकडाउन की शूटिंग शेड्यूल को समाप्त किया है। वह अनुपम खेर के साथ आगामी लघु फिल्म हैप्पी बर्थडे में भी दिखाई देंगी।

'खतरों के खिलाड़ी' के लिए राहुल वैद्य ने ठुकराया इस शो का ऑफर

बिग बॉस 14 के रनरअप राहुल वैद्य लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब राहुल को लेकर एक खास जानकारी सामने आई है जिसे सुनकर उनके फैंस बेहद खुश हो जाएंगे। बिग बॉस के बाद अब बहुत जल्द राहुल 'खतरों के खिलाड़ी' के अगले सीजन में नजर आने वाले हैं। खबरों के मुताबिक, राहुल वैद्य को स्टार प्लस के 'नच बलिए' से भी ऑफर आया था लेकिन सिंगर ने इसे ठुकरा कर रोहित शेट्टी के एडवेंचर्स रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में जाने का फैसला लिया है। खबरों की मानें तो इससे पहले भी राहुल को 'खतरों के खिलाड़ी से ऑफर आए थे लेकिन अपनी हेल्थ इसूज को लेकर उन्हें उस वक्त मना कर दिया था। वहीं अब वह इस रियालिटी शो का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। खतरों के खिलाड़ी के मेकर्स की तरफ से बिग बॉस 14 के खत्म होने के बाद तुरंत राहुल वैद्य को संपर्क किया गया था। लेकिन राहुल के पीठ में चोट लगने की वजह से दोनों पक्ष ये सुनिश्चित करना चाहते थे कि राहुल बिना किसी दिक्कत स्टंट्स परफॉर्म कर पाए और अब राहुल पूरी तरह से से फिट हैं और इसलिए उन्हें ये शो करने के लिए हां कही है। राहुल वैद्य इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि सिंगर ने अपनी गर्लफ्रेंड दिशा परमार के साथ शादी रचा ली है और उनकी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। जिसके बाद दोनों के शादी का वीडियो सामने आया जो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं इन तस्वीरों के वायरल होते ही ये कयास लगाया जाने लगा कि कि दोनों ने चोरी-चुपके शादी रचा ली है। लेकिन ये तस्वीरें और वीडियोज उनके आने वाले म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान की है। दोनों जल्द एक गाने में नजर आने वाले हैं जहां दोनों दूल्हा-दुल्हन बने दिखाई देंगे।

अक्षय कुमार को पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जाएगा सम्मानित

दुनियाभर के सेलेब्स पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुकता फैलाने में अपना योगदान दे रहे हैं और अपने फैंस से भी अपील करते रहते हैं कि वो पर्यावरण को बचाने में सहयोग करें। बॉलीवुड सेलेब्स की बात करें तो दीया मिर्जा, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन और अजय देवगन जैसे फिल्मी सितारों के नाम इस लिस्ट में शामिल हैं। अब इस कड़ी में एक्टर अक्षय कुमार का नाम भी जुड़ गया है। अक्षय वैसे भी कई सामाजिक काम करते रहते हैं। लेकिन अब खिलाड़ी कुमार को पर्यावरण संरक्षण में उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया जा रहा है। खबरों के मुताबिक, गोल्डन ग्लोब ऑनर्स फाउंडेशन अक्षय कुमार को हॉलीवुड सुपरस्टार लियानार्डो डिकैप्रियो और अन्य सितारों के साथ में सम्मानित किया जाएगा। अक्षय कुमार लगातार गरीब लोगों के बीच साफ-सफाई के लिए जागरुकता फैला रहे हैं। वहीं, लियानार्डो पिछले काफी समय से समुद्र में जैव विविधता और जंगलों के संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। ये पहली बार नहीं है जब अक्षय किसी ऐसे मुद्दे को लेकर जागरुकता फैला रहे हैं और इससे पहले भी उन्हें कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। इससे पहले अक्षय ने सेनेटरी पैड और घरों में शौचालय बनवाने को लेकर भी जागरुकता फैलाई थी। उन्होंने इन मुद्दों से जुड़ी फिल्मों 'पैडमैन' और 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा' में अभिनय किया था। अक्षय कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें तो आखिरी बार वह फिल्म 'लक्ष्मी' में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म 'सूर्यवंशी' और 'बेल बॉटम' है। सूर्यवंशी की रिलीज को कोरोना के चलते टाल दिया गया है। ये फिल्म साल 2020 में रिलीज होनी थी।

कोरोनावायरस से उबरे आर माधवन

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इस महामारी की चपेट में कई बॉलीवुड सेलेब्स भी आ रहे है। बीते दिनों बॉलीवुड एक्टर आर माधवन भी कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। अब माधवन ने कहा कि वह कोरोनावायरस संक्रमण से उबर चुके हैं लेकिन अब भी अत्यधिक सावधानी बरत रहे हैं। अभिनेता ने ट्विटर पर कहा कि उनकी मां कोरोनावायरस से संक्रमित नहीं पाई गई हैं। माधवन ने लिखा, फिक्र और दुआ करने के लिए आप सभी का शुक्रिया। अम्मा समेत घर पर सभी लोग एक बार फिर कोविड-19 से पीड़ित नहीं पाए गए। उन्होंने कहा, हालांकि हमने संक्रमण का चरण पूरा कर लिया है लेकिन फिर भी हम सभी अत्यधिक सावधानी, एहतियात बरत रहे हैं और घर पर भी सभी नियमों का पालन कर रहे हैं। ईश्वर की कृपा से हम सभी अब स्वस्थ हैं। उनकी अगली फिल्म 'रॉकेट्री : द नाम्बी इफेक्ट' होगी जो निर्देशक के तौर पर भी उनकी पहली फिल्म होगी।

मई में रिलीज हो सकती है मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन 2

वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मनोज बाजपेयी स्टारर ये वेब सीरीज 2019 में रिलीज हुई थी, इसके बाद से ही इसके दूसरे सीजन का इंतजार जारी है। कुछ वक्त पहले ये रिलीज होने वाली थी लेकिन इसे टाल दिया गया। एंटरटेनमेंट वेबसाइट फिल्मीबीट की एक रिपोर्ट के मुताबिक द फैमिली मैन 2, मई महीने में रिलीज होगी। रिपोर्ट के मुताबिक सीरीज के डायरेक्टर राज एंड डीके बेताबी से अपनी वेब सीरीज को दर्शकों के सामने पेश करने का इंतजार कर रहे हैं।

एडिटिंग में हैं बिजी

बता दें कि द फैमिली मैन 2 का शूट काफी पहले पूरा हो चुका था, वहीं अब टीम इसकी एडिटिंग में बिजी है। ऐसे में द फैमिली मैन 2, मई में रिलीज होने के लिए तैयार है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसका एलान नहीं हुआ है, वहीं इसकी कोई तारीख भी सामने नहीं आई है।

विवाद से बचने के लिए आगे बढ़ी द फैमिली मैन 2

याद दिला दें कि कुछ वक्त रिलीज हुई तांडव को लेकर काफी बवाल देखने को मिला था। ऐसे में इस सीरीज को लेकर कोई भी विवाद न हो, जिसके चलते इसके कुछ सीन्स को बदलकर दोबारा शूट किया गया है, ताकि द फैमिली मैन 2 किसी भी विवाद में न फंसे। 'द फैमिली मैन 2' की स्क्रिप्ट पर दोबारा काम करने के बाद आखिरकार मेकर्स फाइनल प्रोडक्ट के साथ तैयार हैं और जल्द ही दर्शकों को सरप्राइज मिलेगा।

पिंजरा खूबसूरती का, के कास्ट में शामिल हुईं श्रुति उल्फत

अभिनेत्री श्रुति उल्फत टेलीविजन धारावाहिक 'पिंजरा खूबसूरती का' के कास्ट में शामिल हो गई हैं। वह फैशन टायकून और समाज सेविका विशाखा राजवंशी का किरदार निभाएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ''विशाखा का किरदार कुछ ऐसा है, जो अपनी जिंदगी में काफी मुश्किल हालातों में से होकर गुजरी हैं और उन सभी का बेहतरी से सामना भी किया है। अब चूंकि उसके पास पावर है इसलिए वह संघर्षों से जूझ रही महिलाओं की मदद करना चाहती है ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सके। वह महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती हैं और इसी काम के लिए उसने एक एनजीओ की शुरुआत की है।'' श्रुति ने बताया कि उनका किरदार शो में एक ट्विस्ट लेकर आएगा। विशाखा को मयूरा की मदद करते दिखाया जाएगा, जिसे रिया शर्मा निभा रही हैं। 'पिंजरा खूबसूरती का' में साहिल उप्पल भी शामिल हैं। इसे कलर्स पर प्रसारित किया जाता है।

अभी भी शूटिंग के पहले दिन घबराता हूं

अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है कि इंडस्ट्री में कई साल बिता लेने के बावजूद वह किसी नई फिल्म की शुरुआत में काफी चिंतित रहते हैं। अभिनेता इमरान का कहना है कि उन्हें इस बात की फिक्र रहती है कि क्या वह अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगे या नहीं। उन्होंने बताया, हर फिल्म के साथ मेरी उम्मीद यही रहती है कि मैं अपने किरदार को अच्छे से निभाऊं। हर नए किरदार के साथ आपमें सीखने की भावना होनी चाहिए। ऐसा महसूस करना चाहिए जैसे कि आपको कुछ पता ही न हो। अभी भी शूटिंग के पहले दिन मैं घबरा जाता हूं, लेकिन धीरे-धीरे चीजें नॉर्मल हो जाती हैं। फिल्मों की बात करें, तो इमरान का आने वाला समय काफी व्यस्तताओं में से होकर गुजरेगा। वह हाल ही में फिल्म मुंबई सागा में नजर आएंगे। उनकी अगली फिल्म चेहरे रिलीज के लिए तैयार है। हालांकि कोरोना की दूसरी लहर के चलते इसे फिलहाल के लिए टालना पड़ा है। इमरान टाइगर 3 में भी नजर आएंगे।

मनोचिकित्सक की भूमिका निभाना भावनात्मक रूप से थकाने वाला रहा

अभिनेत्री संदीपा धर का कहना है कि वेब सीरीज बिसात में एक मनोचिकित्सक की भूमिका निभाना उनके लिए इमोशनली ड्रेनिंग (थकावट महसूस करना, जैसे आपके पास कोई ऊर्जा ही नहीं हो) अनुभव रहा। आठ भागों वाली यह वेब सीरीज विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित है और इसमें प्यार का पंचनामा 2 के अभिनेता ओमकार कपूर भी हैं। उन्होंने कहा, यह बिसात के लिए बहुत गहन शूटिंग थी, क्योंकि यह भावनात्मक रूप से थकाने वाला था। हमने शो की शूटिंग 50 दिनों से अधिक दिनों तक की और वह 50 दिन मेरे जीवन में सबसे अधिक भावनात्मक थकान भरे रहे। हालांकि एक अभिनेत्री के तौर पर यह बहुत संतोषजनक रहा है, क्योंकि प्रत्येक दिन जब भी मैं घर वापस आती, हालांकि मैं भावनात्मक और शारीरिक रूप से थका हुई होती थी, मुझे इस बात पर खुशी होती कि मैंने इसमें अपना सब कुछ दिया (संपूर्ण प्रयास) है। अपने किरदार कियाना को जीवंत बनाए रखने के लिए, संदीपा को यह समझना था कि नैदानिक मनोरोग की दुनिया में क्या होता है। इसके लिए वह मेडिकल प्रोफेशनल्स से भी मिलीं। उन्होंने कहा, ''मैंने एक-डेढ़ महीने अलग-अलग मनोचिकित्सकों से मुलाकात की, चिकित्सा की शर्तें, शब्दजाल, व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में उनकी जीवनशैली को समझा।'' 'बिसात' 15 अप्रैल से डिजिटल रूप से प्रसारित की जाएगी।

पाकिस्तानी कप्तान ने आतिशी टी20 शतक जमा बनाया रिकॉर्ड, हासिल किया विशाल लक्ष्य

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में धमाकेदार पारी खेली। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम ने जानेमन मलान और एडिन मारक्रम के अर्धशतक के दम पर 5 विकेट पर 203 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में पाकिस्तान ने कप्तान बाबर के तूफानी शतक के दम पर 18 ओवर में महज 1 विकेट खोकर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम ने 4 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। साउथ अफ्रीका के लिए दोनों ओपनर ने धमाकेदार शुरुआत की। मलान और मारक्रम ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 108 रन जोड़ डाले। 31 गेंद पर 65 रन बनाकर मारक्रम आउट हुए तो वहीं मलान ने 55 रन बनाए। इस शुरुआत के दम पर टीम ने 5 विकेट पर 203 रन का स्कोर खड़ा किया।

जवाब में पाकिस्तान ने कप्तान के नाबाद 122 और ओपनर रिजवान के नाबाद 75 रन के दम पर महज 18 ओवर में ही जीत हासिल कर लिया। यह टी20 में पाकिस्तान की टीम की तरफ से हासिल किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है।

टी20 में पाकिस्तान का सबसे तेज शतक

पाकिस्तान के कप्तान ने 50 गेंद पर 122 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने पाकिस्तान की तरफ से सबसे तेज शतक जमाने का रिकॉर्ड बनाया। 49 गेंद पर 11 चौके और 4 छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक बनाया। 59 गेंद पर 15 चौके और 4 छक्के की मदद से 122 रन बनाकर नाबाद लौटे और टीम को जीत दिलाई।

जिम्बाब्वे की टीम के पूर्व कप्तान को आईसीसी ने किया 8 साल के लिए बैन

दुबई। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान हीथ स्ट्रीक को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आइसीसी ने बड़ी सजा दी है। ICC एंटी करप्शन कोड को तोड़ने के पांच आरोपों को स्वीकार करने के बाद हीथ स्ट्रीक को आठ साल के लिए सभी क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। स्ट्रीक को 2016 से 2018 तक जिम्बाब्वे के कोच और विभिन्न घरेलू टीमों के कोच के रूप में उनकी स्थिति के आधार पर संहिता के तहत आरोपों में पाया गया था।

हीथ स्ट्रीक पर आरोप निम्नानुसार हैं:

2.3.2 - आइसीसी कोड और विभिन्न घरेलू संहिताओं की जानकारी का खुलासा करना, उन परिस्थितियों में जहां वह जानते थे या जानना चाहिए था कि ऐसी जानकारी का उपयोग सट्टेबाजी के उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। विशेष रूप से उन्होंने 2018 त्रिकोणीय सीरीज (जिंबाब्वे, बांग्लादेश और श्रीलंका) में जिम्बाब्वे बनाम अफगानिस्तान सीरीज, आइपीएल 2018 और एपीएल 2018 में होने वाले मैचों के संबंध में जानकारी का खुलासा किया था। 2.3.3 - सीधे या किसी अन्य तरीके से याचना, उत्प्रेरण, अनुनय, प्रोत्साहन या जानबूझकर किसी भी प्रतिभागी को कोड को भंग करने की सुविधा देना। विशेष रूप से उन्होंने चार अलग-अलग खिलाड़ियों को ऑफर देने का प्रयास किया था, जिसमें एक राष्ट्रीय कप्तान भी शामिल था, जिसे वह जानता था। सट्टेबाजी के उद्देश्यों के लिए अंदर की जानकारी प्रदान करने के लिए उनसे संपर्क करना चाहता था।

2.4.2 - किसी भी गिफ्ट, भुगतान, आतिथ्य या अन्य लाभों की प्राप्ति का खुलासा करने में विफल होना जो प्रतिभागी को पता था या उन्हें पता होना चाहिए था कि उन्हें संहिता का उल्लंघन करने के लिए दिया गया था या जो परिस्थितियों में लाया गया था या फिर क्रिकेट के खेल में विवादित था।

2.4.4 - अंतरराष्ट्रीय मैच, 2017 का बीपीएल, 2018 पाकिस्तान सुपर लीग, 2018 का आइपीएल और 2018 का एपीएल में एसीयू को किसी भी दृष्टिकोण या आमंत्रण को प्राप्त करने में विफल रहने के लिए, जिसमें कोड के तहत भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए प्राप्त किए गए विवरण की जानकारी नहीं देने के कारण उनको सजा मिली है।

अनुच्छेद 2.4.7 - एक जांच में बाधा डालना या देरी करना, जिसमें किसी भी दस्तावेज या अन्य जानकारी को छुपाना, छेड़छाड़ करना या नष्ट करना शामिल है, जो उस जांच के लिए प्रासंगिक हो सकता है और / या जो आइसीसी एंटी करप्शन कोड के तहत सबूत हो सकता है या भ्रष्ट आचरण के साक्ष्य की खोज का कारण बन सकता है। संहिता के प्रावधानों के तहत, स्ट्रीक ने आरोपों को स्वीकार करने के लिए चुना और एक भ्रष्टाचार विरोधी न्यायाधिकरण सुनवाई के बदले में ICC के साथ मंजूरी के साथ सहमति व्यक्त की। वह 28 मार्च 2029 को खेल में अपनी भागीदारी को फिर से शुरू करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

5 साल के बाद IPL में ये कमाल करने में कामयाब हुए ग्लेन मैक्सवेल

नई दिल्ली। देर आए दुरुस्त आए। ये कहावत रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर यानी आरसीबी के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के ऊपर फिट बैठती है, क्योंकि वे पिछले कुछ आइपीएल सीजनों में खराब प्रदर्शन कर रहे थे। यही कारण है कि पंजाब की फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज करना ही उचित समझा था, लेकिन जैसे ही उनकी जर्सी बदली, वैसे ही वे तूफानी तेवरों में नजर आए। आइपीएल के 14वें सीजन के अपने दूसरे मैच में ग्लेन मैक्सेवल ने तूफानी अर्धशतक जड़ा है और आइपीएल में अर्धशतक जड़ने के लिए उनको आधा दशक लग गया है।ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सेवल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आइपीएल 2021 के छठे मुकाबले में 38 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से अर्धशतक जड़ा।

महिला बॉक्सिंग शिविर में विदेशी कोच समेत 21 संक्रमित, तैयारियां बंद

नई दिल्ली। छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरी कॉम समेत टोक्यो का टिकट हासिल कर चुकी महिला बॉक्सरों की ओलंपिक की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है।

इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे शिविर में 21 महिला बॉक्सर, कोच, सपोर्ट स्टाफ संक्रमित पाए गए हैं। इतने बड़े संक्रमण को ध्यान रखते हुए न सिर्फ महिला बॉक्सरों की तैयारियों को तत्काल बंद कर दिया गया है बल्कि उनकी सर्बिया रवानगी को भी रोक दिया गया है। सभी को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम भेजने की तैयारी की जा रही है। हालांकि साई का दावा है कि संक्रमितों में ओलंपिक टिकट हासिल करने वाला कोई बॉक्सर नहीं है। मैरी के अलावा सिमरनजीत कौर, लोवलीना और पूजा ने टोक्यो का टिकट हासिल किया है। इनकी तैयारियों के लिए 34 सदस्यीय शिविर चल रहा है। मैरी को छोड़ लोवलीना, पूजा,

सिमरन समेत 10 सदस्यीय टीम को ट्रेनिंग कम कंपटीशन दौरे पर बृहस्पतिवार को सर्बिया रवाना होना था, लेकिन इसे अब रद्द कर दिया गया है। सूत्र बताते हैं कि शिविर में शामिल विदेशी कोच, चीफ कोच समेत अन्य कोच, सपोर्ट स्टाफ संक्रमित निकले हैं। साथ ही सभी बॉक्सर कोच और सपोर्ट स्टाफ के संपर्क में आए हैं। सभी का फिर से आरटीपीसीआर टेस्ट कराया जाएगा। हालांकि किसी को भी अब तक अस्पताल में दाखिल नहीं कराया गया है, लेकिन एक कोच बुरी तरह संक्रमित हैं।

खेल मंत्री को दोहरे अंकों में पदकों की आशा

टोक्यो ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों का बढ़े हौसला

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरन रिजीजू समेत भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरेंदर बत्रा और महासचिव राजीव मेहता को टोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों से दोहरे अंकों में पदक जीतने की आशा है। खेल मंत्री ने टोक्यो ओलंपिक 100 दिन दूर कार्यक्रम के मौके पर पीवी सिंधू, लालरेमसियामी, साई परणीथ, मनिका बत्रा समेत कई खिलाड़ियों के बीच कहा कि जिस तरह की सुविधाएं सरकार की ओर से इस बार खिलाड़ियों को दी जा रही हैं।

उससे उन्हें उम्मीद है कि टोक्यो में पहली बार पदक दोहरे अंकों में पहुंचने चाहिए। खेल मंत्री ने खिलाड़ियों से कहा कि दुनिया में ओलंपिक से बड़ा कोई खेल आयोजन नहीं है। ऐसे में खिलाड़ियों को देश के लिए अपना सब कुछ लगाकर यहां पदक जीतने का प्रयास करना होगा।

खेल मंत्री ने घोषणा की कि टोक्यो जाने वाली सभी भारतीय खिलाड़ियों के संघर्ष पर लघु फिल्म बनाई जाएगी। कई खिलाड़ियों पर फिल्म बन चुकी

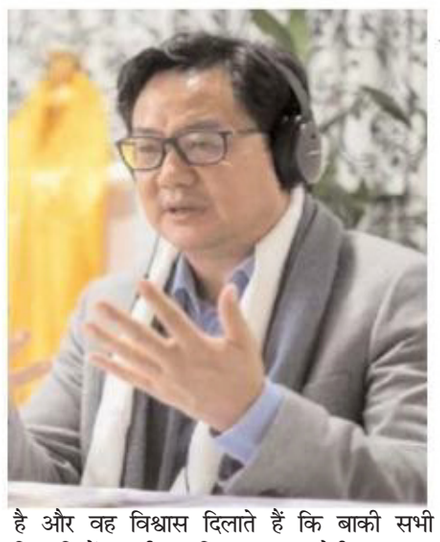

है और वह विश्वास दिलाते हैं कि बाकी सभी खिलाड़ियों पर भी यह फिल्म जल्द बनेगी।

विश्व यूथ मुक्केबाजी

भारत की शानदार शुरुआत, पूनम और विंका प्री क्वार्टर में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत ने पोलैंड के किल्से में चल रही युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अच्छी शुरुआत की जब पूनम (57 किग्रा) और विंका (60 किग्रा) ने अपने पहले दौर के मुकाबलों में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पूनम ने कोलंबिया की वालेरिया मेंदोजा को 5-0 से हराया जबकि विंका ने रूस की दारिया पेंटेलीवा को 3-2 से शिकस्त देकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। पूनम को अगले दौर में हंगरी की बिएटा वार्गा से भिड़ना है जबकि विंका का सामना कजाखस्तान की जुलदिज शायाखमेतोवा से होगा। भारत इस टूर्नामेंट में 20 सदस्यीय टीम के साथ उतरा है जिसमें 10 पुरुष

और इतनी ही महिला मुक्केबाज शामिल हैं।

महिला टीम में 2019 एशियाई युवा खेलों की चैंपियन नाओरेम बेबीरोजिसाना चानू (51 किग्रा), सनामाचा चानू (75 किग्रा), अल्फिया पठान (+81 किग्रा) और अरूणधति चौधरी (69 किग्रा) के अलावा गीतिका (48 किग्रा), अर्शी खानम (54 किग्रा), निशा (64 किग्रा) और खुशी (81 किग्रा) शामिल हैं।

पुरुष वर्ग में भारत की चुनौती की अगुआई एशियाई युवा चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अंकित नरवाल (64 किग्रा) और एशियाई जूनियर चैंपियन चोंगथाम विश्वमित्र (49 किग्रा) करेंगे। टीम के अन्य पुरुष सदस्य विकास (52 किग्रा), सचिन (56 किग्रा), आकाश गोरखा (60 किग्रा), सुमित (69 किग्रा), मनीष (75 किग्रा), विनीत (81 किग्रा), विशाल गुप्ता (91 किग्रा) और जुगनू (+91 किग्रा) हैं।

संजू सैमसन का दावा- हमारे पास अभी भी है बेहतरीन टीम

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल 2021) के मैच से पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि उनका मानना है कि उनकी टीम एक मजबूत इकाई है जो विभिन्न परिस्थितियों में सही परिणाम दे सकती है। राजस्थान अपना पहला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ चार रनों से हार गया और सैमसन की 119 रनों की पारी बेकार गई। टीम को मंगलवार को बड़ा झटका उस समय लगा, जब स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स उंगली की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। राजस्थान रॉयल्स की ओर से जारी प्रेस रिलीज में संजू सैमसन ने कहा, ÷टीम में भावना वास्तव में अच्छी है। हम सभी पिच पर वापसी करने और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। हमने आखिरी गेम में अच्छा खेला और दुर्भाग्य से हम जीत दर्ज नहीं कर पाए। मुझे लगता है कि हमारे लिए प्रक्रिया का पालन करना और खेल के हिसाब इसे लेना महत्वपूर्ण है।' संजू सैमसन को स्टीव स्मिथ के रिलीज करने के बाद टीम का कप्तान बनाया गया था।

आइपीएल 2021 की शुरुआत शतक से करने वाले संजू सैमसन ने कहा, 'हमारा काम क्या है, इस पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है, यानी खुद को अभिव्यक्त करना और क्रिकेट का वह ब्रांड जिसे हम खेलना चाहते हैं। मेरा मानना है कि हमारे पास एक मजबूत टीम है जो विभिन्न परिस्थितियों में सही परिणाम देने में सक्षम है।'

चेतन सकारिया ने भी एक और सभी को प्रभावित किया, क्योंकि वह एक मैच में 3-31 के आंकड़े के साथ लौटे थे, जहां राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों को पार्क के चारों ओर चौके-छक्के लगे थे, क्योंकि पंजाब किंग्स ने निर्धारित बीस ओवरों में 221 का स्कोर बनाया था। राजस्थान रॉयल्स को उस टीम का सामना करना है, जो अपने नए कप्तान के साथ खेल रही है। राजस्थान के सामने दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम है।

डेविड वार्नर ने बल्लेबाजों पर उतारा गुस्सा कहा- बहुत तकलीफ होती है

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के छठे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ हार मिली। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी की टीम ने ग्लेन मैक्सवेल के अर्धशतक के दम पर 149 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में हैदराबाद की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 143 रन ही बना पाई। मैच में टीम ने अपने आखिरी 17 ओवर में 3 विकेट पर 115 रन बनाए थे। इसके बाद शाहबाज अहमद के ओवर में एक के बाद एक तीन विकेट गिरे। यहां से बल्लेबाजो के खराब शॉट की वजह से जीता हुआ मैच टीम के हाथ से मिलकर गया। कप्तान डेविड वार्नर ने 37 गेंद पर 54 रन की शानदार पारी खेली। जब वह आउट हुए तो टीम का स्कोर 96 रन था। मजबूत स्थिति में होने के बाद भी मैच हारने पर कप्तान ने निराशा जाहिर की।

वार्नर ने कहा- हमारे गेंदबाज बहुत ही शानदार रहे और उनको छोटे स्कोर पर रोकने में कामयाब रहे। मैक्सवेल ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और टीम के लिए एक मंच तैयार किया। हमें दो सेट बल्लेबाज की जरूरत थी आखिर तक लेकिन हम ऐसा करने में नाकाम रहे। हमें एक साझेदारी बनाने की जरूरत थी और क्रिकेट से सही शॉट लगाने की आवश्यता थी। हमने क्रॉस बल्ले से शॉट लगाए और यह खेलने का कोई तरीका नहीं है। इससे बहुत ज्यादा तकलीफ होती है। हमें इस बात का पता है कि आने वाले मुकाबलों में किस तरह से खेलना है। हमारे पास यहां पर अभी और तीन मैच बाकी है और मुझे लगता है कि यह विकेट पहले से बेहतर होता जा राह है। हमें शुरुआत के छह ओवर में कम से कम विकेट गंवाना है और साधारण क्रिकेट खेलने की जरूरत है। जिस टीम ने चेन्नई मे बात में बल्लेबाजी की उन्होंने सभी चार मैच जीते हैं। ऐसा ही पिछली मुकाबले में भी हुआ था।

चैंपियंस लीग: हार के बावजूद पीएसजी सेमीफाइनल में, पहले चरण में मिली हार बायर्न म्यूनिख को पड़ी महंगी

रोम। नेमार ने कई मौके गंवाए जिसके कारण पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में घरेलू मैदान पर बायर्न म्यूनिख के खिलाफ 0-1 से हार झेलनी पड़ी लेकिन इसके बावजूद टीम चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में जर्मनी में 2-3 की हार के बाद बायर्न को मंगलवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए कम से कम दो गोल करने थे लेकिन टीम ऐसा करने में नाकाम रही और पीएसजी ने विरोधी के मैदान पर अधिक गोल (अवे गोल) की बदौलत अंतिम चार में जगह बनाई।

छह बार की चैंपियन मैड्रिड की टीम हालांकि चोटिल रॉबर्ट लेवानदव्स्की की गैरमौजूदगी में जूझती दिखी और सिर्फ एक गोल ही कर पाई जो एरिक मैक्सिम चोपो मोटिंग ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ पहले हाफ में किया। नेमार ने बायर्न म्यूनिख के गोलकीपर मैनुअल की अच्छी परीक्षा ली। नेमार के दो प्रयास गोलपोस्ट से टकराकर रह गए। मैच समाप्ति से दस मिनट पूर्व

काइलिन म्बापे का बराबरी के लिए अच्छा प्रयास बेकार गया। अब पीएसजी का सामना बोरसिया डोर्टमैंड या मैनचेस्टर सिटी के साथ होगा। दोनों टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण का मैच होना है। फिलहाल पहले चरण में मैनचेस्टर सिटी के पास 2-1 की बढ़त है।

बेयरन म्यूनिख लगातार तीसरी गत विजेता है जो अगले सीजन में सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी। इससे पहले 2004-05 और 2007-08 में चार टीमें (पोर्टो, लिवरपूल, बार्सिलोना और एसी मिलान) ऐसे करने में असफल रही थी।

नेमार का अनुबंध बढ़ेगा:

नेमार ने पीएसजी को दूसरा घर बताया है। क्लब के साथ ब्राजीली खिलाड़ी की अनुबंध आगे बढ़ाने की बातचीत चल रही है। नेमार ने कहा कि मैं नहीं समझता किइस बात पर कोई चर्चा करने की जरूरत है। मैं पहले से ज्यादा खुश हूं। नेमार 2017 में 1680 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड ट्रांसफर राशि में बार्सिलोना से पीएसजी में आए थे। उसके बाद नेमार का कद बढ़ा है। पिछले साल चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंची थी।

चेल्सी सात साल बाद सेमीफाइनल में

चेल्सी की टीम पोर्टो के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 0-1 की हार के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। इंग्लिश टीम ने पहले चरण में 2-0 से जीत हासिल की थी। लिहाजा कुल 2-1 के नतीजे के साथ टीम 2014 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। अब सेमीफाइनल में उसका मुकाबला रियल मैड्रिड और लिवरपूल के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। मैच का एकमात्र गोल मेहदी तेरेमी ने सीजर किक के जरिए दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किया था।

आरसीबी ने एसआरएच को 6 रन से हराया: बेंगलुरु के शाहबाज ने 17वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच पलटा, हैदराबाद ने आखिरी चार ओवर में 28 रन पर 7 विकेट गंवाए

चेन्नई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2021 के छठे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 6 रन से हरा दिया। चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 149 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद टीम 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 143 रन ही बना सकी। स्त्राको आखिरी 4 ओवर में 35 रन की जरूरत थी। पर टीम 28 रन ही बना सकी और इस दौरान 7 विकेट भी गंवा दिए।

बेंगलुरु के लिए 17वां ओवर टर्निंग पॉइंट रहा। हैदराबाद टीम ने 16 ओवर तक 2 विकेट पर 115 रन बना लिए थे। पर इसके बाद टीम चेन्नई के टर्निंग ट्रैक में फंस गई। स्पिनर शाहबाज अहमद ने 17वें ओवर की पहली बॉल पर जॉनी बेयरस्टो को आउट किया। बेयरस्टो 13 बॉल पर 12 रन बना सके। इसके बाद दूसरी बॉल पर शाहबाज ने मनीष पांडे को पवेलियन भेजा। मनीष ने 39 बॉल पर 38 रन की पारी खेली। हालांकि, शाहबाज हैट्रिक से चूक गए। ओवर की आखिरी बॉल पर उन्होंने अब्दुल समद (0) को आउट किया।

आरसीबी की लगातार दूसरी जीत, एसआरएच टीम दूसरा मैच हारी: विराट की टीम ने सीजन के अपने पहले मुकाबले में 5 बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस को हराया था। यह टीम की लगातार दूसरी जीत है।

आरसीबी4 पॉइंट्स के टेबल में भी टॉप पर पहुंच गई है। वहीं, डेविड वॉर्नर की हैदराबाद टीम को कोलकाता नाइटराइडर्स के बाद अब बेंगलुरु के हाथों भी हार का सामना करना पड़ा। हैदराबाद 2 मैच में 2 हार के साथ पॉइंट्स टेबल में 7वें नंबर पर है। इसके साथ ही विराट ने पिछले सीजन में हैदराबाद से एलिमिनेटर में मिली हार का बदला भी ले लिया।

वॉर्नर ने धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा

हैदराबाद की ओर से वॉर्नर ने सबसे ज्यादा 54 रन बनाए। मैच में 11 रन बनाते ही वॉर्नर ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वे बेंगलुरु टीम के खिलाफ किसी भी टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। धोनी ने RCB के खिलाफ 833 रन बनाए थे। वॉर्नर के नाम 877 रन हैं। सुरेश रैना 755 रन के साथ तीसरे, रोहित शर्मा 716 रन के साथ चौथे और गौतम गंभीर 713 रन के साथ इस लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं।

हैदराबाद टीम की लगातार दूसरे मैच में दूसरी हार

वॉर्नर और ऋद्धिमान साहा की ओपनिंग जोड़ी लगातार दूसरे मैच में फेल रही। साहा 9 बॉल पर 1 रन ही बना सके। मोहम्मद सिराज ने साहा को आउट किया। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ भी साहा 7 रन बनाकर आउट हुए थे।

13 रन पर पहला विकेट गिरने के बाद कप्तान वॉर्नर और मनीष पांडे ने हैदराबाद की पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 69 बॉल पर 83 रन की पार्टनरशिप की।

इस दौरान वॉर्नर ने IPL में 49वीं फिफ्टी लगाई। वे 37 बॉल पर 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें काइल जेमिसन ने डैनियल क्रिश्चियन के हाथों कैच कराया। 96 रन के कुल स्कोर पर वॉर्नर आउट हुए। इसके बाद हैदराबाद टीम की विकेट की झड़ी लग गई। स्त्रा ने 46 रन बनाने में 7 विकेट गंवा दिए। बेयरस्टो (12), मनीष (38) और समद (0) खराब शॉट पर अपने विकेट गंवा बैठे।

एक ओवर में 3 विकेट गंवाने के बाद विजय शंकर और होल्डर पर उम्मीदें टिकी थीं। पर शंकर लगातार दूसरे मैच में फ्लॉप रहे। उन्हें हर्षल पटेल ने 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर कप्तान कोहली के हाथों कैच कराया। उन्होंने 5 बॉल पर 3 रन बनाए। वहीं, इस सीजन में पहला मैच खेल रहे होल्डर भी 19वें ओवर में खराब शॉट पर अपना विकेट गंवाया।